रांची, मंगलवार, 22 जुलाई 2025
संवत 2082, श्रावण कृष्ण 12 संवत मूल्य 2 रुपये
वर्ष-8, अंक 318 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

4 ▶▶ एआई और विकसित होती आधुनिक शिक्षा
सुपरस्टार को पछाड़ अमिताभ बच्चन बने टीवी के सबसे महंगे होस्ट... ◀◀ 6

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इस्तीफा मंजूर, संसद भी नहीं पहुंचे, विदाई समारोह में भी नहीं होंगे शामिल

नई दिल्ली : उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इस्तीफा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा मंगलवार को स्वीकार कर लिया गया है। यह आधिकारिक जानकारी आज राज्यसभा में पीठासीन अधिकारी घनश्याम तिवाड़ी ने सदन को दी। स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए सोमवार देर रात इस्तीफा देने वाले धनखड़ आज सदन की कार्यवाही में भी शामिल नहीं हुए।

मंगलवार सुबह 11 बजे जब राज्यसभा की कार्यवाही शुरू हुई, तो उपसभापति हरिवंश ने सदन की अध्यक्षता की। बाद में पीठासीन अधिकारी घनश्याम तिवाड़ी ने सदन को सूचित किया कि भारत की राष्ट्रपति ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का त्यागपत्र स्वीकार कर लिया है। इससे पहले, यह खबर भी आई थी कि धनखड़ अपना इस्तीफा वापस लेने या किसी विदाई समारोह में शामिल होने के इच्छुक नहीं हैं। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने धनखड़ के अच्छे स्वास्थ्य की कामना की है। गौरतलब है कि देश के 14वें उपराष्ट्रपति, 74 वर्षीय जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई की रात को अचानक अपने पद से इस्तीफा दे दिया था, जबकि उनका कार्यकाल 10 अगस्त, 2027 तक था। उन्होंने हाल ही में 10 जुलाई को एक कार्यक्रम में कहा था, ईश्वर की कृपा रही तो अगस्त, 2027 में रिटायर हो जाऊंगा। उनके इस इस्तीफे के बाद अब नए उपराष्ट्रपति के चुनाव की प्रक्रिया जल्द ही शुरू की जाएगी।

पीएम मोदी बोले- उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूं

नई दिल्ली : उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इस्तीफा मंजूर कर लिया गया है। बीते दिन ही धनखड़ ने राष्ट्रपति मुर्मू को पत्र भेजकर पद से इस्तीफे की बात कही थी। उन्होंने इस्तीफे के पीछे स्वास्थ्य कारणों का हवाला दिया था। मंगलवार को राज्यसभा को जगदीप धनखड़ के तत्काल प्रभाव से इस्तीफे के संबंध में गृह मंत्रालय की अधिसूचना (दिनांक 22 जुलाई) के बारे में सूचित किया गया। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट कर धनखड़ के उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। उन्होंने लिखा, 'जगदीप धनखड़ को भारत के उपराष्ट्रपति सहित कई भूमिकाओं में देश की सेवा करने का अवसर मिला है। मैं उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूं।'

बिहार मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर संसद में विपक्ष का प्रदर्शन, प्रक्रिया को वोट चोरी की कोशिश करार दिया

नई दिल्ली: संसद में मंगलवार को विपक्षी सांसदों ने जमकर विरोध किया। बिहार मतदाता सूची पुनरीक्षण के विरोध में विपक्ष के सांसदों ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव के नेतृत्व में मकर द्वार पर प्रदर्शन किया। सांसदों ने कहा कि मतदाता सूची पुनरीक्षण के जरिये वोट की चोरी की कोशिश की जा रही है। यह चुनाव की चोरी के जैसा है। इस दौरान सांसदों ने एसआईआरः भारतीय अधिकारों की चोरी और एसआईआरः भारतीय गणराज्य को नुकसान पहुंचाना लिखी तख्तियां पकड़ी हुईं थीं।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा समेत कांग्रेस, सपा, राजद, तृणमूल कांग्रेस, डीएमके, झामुमो समेत कई दलों के सांसदों ने इस विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया। इससे पहले राज्यसभा नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की मौजूदगी में इंडिया ब्लॉक नेताओं की बैठक हुई।

कांग्रेस महासचिव संगठन केसी वेणुगोपाल ने बताया कि बैठक के दौरान विपक्ष ने महत्वपूर्ण मुद्दों पर सवालों के जवाब देने के लिए सदन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति पर जोर देने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने पहलगाम आतंकी हमला, ऑपरेशन सिंदूर, भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम पर डोनाल्ड ट्रंप के बयान, बिहार की एसआईआर प्रक्रिया, परिसीमन, दलितों, आदिवासियों, पिछड़े वर्गों और महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अत्याचार, एआई 171 विमान दुर्घटना और मणिपुर गृह युद्ध जैसे मुद्दों पर सवालों के जवाब देने के लिए सदन में मोदी की उपस्थिति पर दबाव बनाने का फैसला किया।

उन्होंने कहा कि ये लोगों के मुद्दे हैं और इन्हें सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। विपक्षी नेताओं ने यह मुद्दा भी उठाया कि राहुल गांधी को सदन में बोलने की अनुमति दी जाए। यह भी निर्णय लिया गया कि विपक्ष संसद के दोनों सदनों में एसआईआर का मुद्दा उठाएगा।

तरलोक सिंह चौहान होंगे झारखंड के चीफ जस्टिस, कल लेंगे शपथ

आज रांची पहुंचे, सीएम भी कार्यक्रम में हो सकते हैं शामिल

संवाददाता

रांचीः झारखंड हाइकोर्ट के नवनियुक्त चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान आज रांची पहुंचे । भगवान बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर हाइकोर्ट के अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। 23 जुलाई को दिन के 10:00 बजे राजभवन में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया जायेगा। राज्यपाल संतोष गंगवार चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान को पद व गोपनीयता की शपथ दिलायेंग। जस्टिस चौहान के शपथ ग्रहण में शामिल होने के लिए उनके रिश्तेदार रांची आने लगे है। 50 से 60 रिश्तेदार समारोह में शामिल होंगे। उनके अलग-अलग होटल व स्टेट गेस्ट हाउस में ठहराने की व्यवस्था की गयी है।

कौन हैं जस्टिस तरलोक सिंह चौहानः जस्टिस चौहान हिमाचल प्रदेश हाइकोर्ट में चीफ जस्टिस के बाद सबसे सीनियर जज थे। उन्होंने शिमला से स्कूली शिक्षा प्राप्त की है। पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ से कानून की पढ़ाई की। जस्टिस चौहान ने 1989 में हिमाचल प्रदेश स्टेट बार काउंसिल में एडवोकेट के तौर पर दाखिला लिया था। वर्ष 2014 में उन्हें हाइकोर्ट के अतिरिक्त जज के तौर पर पदोन्नत किया गया। उसी साल उन्हें स्थायी न्यायाधीश भी नियुक्त किया गया था।

भारतीय वायुसेना की ताकत बढ़ी, किलर अपाचे हेलिकॉप्टर का पहला बैच भारत पहुंचा

नई दिल्ली : भारतीय सेना की मारक क्षमता में बड़ा इजाफा हुआ है। दुनिया के सबसे खतरनाक लड़ाकू हेलिकॉप्टरों में शुमार अपाचे का पहला बैच भारत पहुंच गया है। अमेरिकी कंपनी बोइंग द्वारा निर्मित इन अत्याधुनिक हेलिकॉप्टरों को सेना के बेड़े में शामिल किया जाएगा। इनकी पहली तैनाती जोधपुर में होगी, जो रणनीतिक रूप से पश्चिमी सीमा के नजदीक है। भारतीय सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी देते हुए इसे एक ऐतिहासिक क्षण बताया। सेना ने पोस्ट में लिखा, भारतीय सेना में अपाचे का आगमन! सेना के लिए एक ऐतिहासिक पल। अपाचे हेलिकॉप्टरों के पहले बैच का भारत में स्वागत है। यह सेना की ऑपरेशनल क्षमताओं में महत्वपूर्ण वृद्धि करेगा। भारत ने अमेरिकी एयरोस्पेस कंपनी बोइंग के साथ साल 2020 में भारतीय सेना के लिए छह एएच-64ए अपाचे हेलिकॉप्टरों का सौदा किया था। इनकी डिलीवरी पिछले साल ही होनी थी, लेकिन इसमें करीब 15 महीनों की देरी हुई है। मंगलवार को मिली पहली खेप में तीन हेलिकॉप्टर भारत पहुंचे हैं।

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यह हेलिकॉप्टर भारतीय सेना को मिले हैं। इससे पहले भारतीय वायुसेना के पास पहले से ही 22 अपाचे हेलिकॉप्टरों का बेड़ा मौजूद है। अब सेना को अपने खुद के अपाचे हेलिकॉप्टर मिलने शुरू हो गए हैं, जिससे जमीनी और हवाई अभियानों में और बेहतर तालमेल स्थापित हो सकेगा। अपाचे हेलिकॉप्टर अपनी घातक मारक क्षमता, मजबूत कवच और रात में भी ऑपरेशन करने की उन्नत तकनीक के लिए जाने जाते हैं।

2006 मुंबई ट्रेन ब्लास्ट

12 दोषियों की रिहाई के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची महाराष्ट्र सरकार, 24 जुलाई को होगी सुनवाई

मुंबईःमहाराष्ट्र सरकार ने 2006 के मुंबई लोकल ट्रेन सिलसिलेवार बम धमाकों के मामले में बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। हाई कोर्ट ने इस मामले में सभी 12 आरोपियों को बरी कर दिया था, जिसके बाद राज्य सरकार ने इस फैसले के खिलाफ शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया है। सुप्रीम कोर्ट इस महत्वपूर्ण याचिका पर 24 जुलाई को सुनवाई करेगा।

यह मामला 11 जुलाई 2006 को हुए उस काले दिन से जुड़ा है, जब मुंबई की जीवनरेखा कही जाने वाली लोकल ट्रेनों में पीक आवर के दौरान सिलसिलेवार बम विस्फोट हुए थे। इन आतंकी हमलों में 180 से अधिक निर्दोष लोगों की जान चली गई थी और सैकड़ों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इन धमाकों ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। मामले की लंबी जांच और सुनवाई के बाद 12 लोगों को आरोपी बनाया गया था। हालांकि, हाल ही में बॉम्बे हाई कोर्ट ने सबूतों के अभाव का हवाला देते हुए सभी 12 आरोपियों को बरी करने का फैसला सुनाया था। महाराष्ट्र सरकार ने अपनी याचिका में हाई कोर्ट के इस फैसले को न्याय के हित में अनुचित बताया है। राज्य सरकार का तर्क है कि इस मामले में अभियोजन पक्ष ने पुख्ता सबूत पेश किए थे, लेकिन हाई कोर्ट ने उन पर उचित विचार नहीं किया। सरकार का मानना है कि हाई कोर्ट का फैसला पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ न्याय करने में विफल रहा है।

नहीं छोड़ेंगें परमाणु कार्यक्रम, बनाते रहेंगे मिसाइलें..,ईरान ने फिर साफ किया अपना रुख

नई दिल्लीः ईरान के परमाणु कार्यक्रम को खत्म करने के मकसद से इजरायल और अमेरिका ने हमला किया था। इजरायल और अमेरिका की ओर से किए गए हमलों के बाद भी ईरान के हौसले पस्त नहीं हुए हैं। ईरान ने परमाणु कार्यक्रम को लेकर एक बार फिर अपना रुख साफ कर दिया है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि पिछले महीने अमेरिकी हमलों के बाद परमाणु ठिकानों को हुई गंभीर क्षति के बावजूद, ईरान की अपने परमाणु कार्यक्रम को छोड़ने की कोई योजना नहीं है। ईरान का यूरेनियम एनरिचमेंट प्रोग्राम जारी रहेगा।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि फिलहाल यूरेनियम के संवर्धन को रोक दिया गया है क्योंकि परमाणु ठिकानों को भारी है नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि हम यूरेनियम एनरिचमेंट प्रोग्राम नहीं छोड़ सकते क्योंकि यह हमारे अपने वैज्ञानिकों की उपलब्धि है। उन्होंने इसे अपने देश का गौरव बताया और जारी रखने की बात कही। ईरान बनाता रहेगा मिसाइलेः अब्बास अराघची का यह बयान ऐसे समय आया है जब ईरान जल्द ही इस्तांबुल में जर्मनी, फ्रांस और यूनाइटेड किंगडम के साथ अपने परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत करने के लिए तैयार है। तनाव को कम करने के लिए अमेरिका के साथ बातचीत को लेकर अराघची ने कहा, हम बातचीत के लिए तैयार हैं लेकिन फिलहाल सीधे तौर पर नहीं। उन्होंने कहा, अमेरिकी प्रतिबंध हटाए जाने के बदले में हम यह साबित करने के लिए तैयार हैं कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण है। ईरान के विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि उनका देश मिसाइलों का विकास और निर्माण जारी रखेगा।

'कांवड़ मार्ग पर सभी होटलों को लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट दिखाना होगा': सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्लीः भोजनालयों के लिए क्यूआर कोड मामले पर सुप्रीम कोर्ट से उत्तर प्रदेश सरकार को बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने क्यूआर कोड संबंधी आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कांवड़ यात्रा मार्ग के सभी होटल मालिकों को लाइसेंस और पंजीकरण प्रमाण-पत्र प्रदर्शित करने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने क्यू कोड अनिवार्य करने के मुद्दे पर कोई निर्देश नहीं दिया। अदालत ने कहा कि अभी क्यूआर कोड के मुद्दे पर विचार नहीं किया गया है और मुख्य याचिका पर सुनवाई के दौरान इस पर विचार किया जा सकता है। मुख्य याचिका अभी अदालत में लंबित है।

उत्तर प्रदेश सरकार के आदेश का हुआ विरोधः सर्वोच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश सरकार के उस निर्देश को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें उत्तर प्रदेश सरकार के उस आदेश को चुनौती दी गई, जिसमें सरकार ने कांवड़ मार्ग पर सभी खाने-पीने की दुकानों और भोजनालयों पर क्यूआर कोड स्टीकर प्रदर्शित करने और साथ ही दुकानों के बाहर बैनर लगाकर दुकान मालिक के नाम और पहचान को प्रदर्शित करने को कहा था। इन याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार और उत्तराखंड सरकार से जवाब मांगा था। सरकार के आदेश के खिलाफ याचिकाएं शिक्षाविद अपूर्वानंद झा, एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स, टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा और अन्य ने दायर की थीं।

याचिकाकर्ताओं को डर- इससे सांप्रदायिक हिंसा बढ़ने का खतराः याचिकाकर्ताओं का कहना है कि दुकानदारों के नाम प्रदर्शित करने के लिए कहना भेदभाव है और साथ ही यह कांवड़ियों के लिए संकेत है कि उन्हें किस दुकान को नजरअंदाज करना है। उनके अनुसार, दुकानदारों के नाम प्रदर्शित करने के लिए कहना भेदभाव है और साथ ही यह कांवड़ियों के लिए संकेत है कि उन्हें किस दुकान को नजरअंदाज करना है। याचिकाकर्ताओं ने कहा कि उन्हें डर है कि सरकार के इस फैसले से सांप्रदायिक तनाव बढ़ेगा और इससे भीड़ हिंसा की आशंका भी बढ़ जाएगी, खासकर अल्पसंख्यक समुदाय के दुकानदारों के खिलाफ हिंसा की घटनाएं हो सकती हैं। याचिकाकर्ताओं के अनुसार, उत्तर प्रदेश सरकार का आदेश निजता के अधिकार का उल्लंघन है। गौरतलब है कि बीते साल सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और उत्तराखंड की सरकारों के ऐसे ही निर्देश पर रोक लगा दी थी।

न्यूज IN ब्रीफ

युवक को मारी गोली, घायल

मांडर : थाना क्षेत्र के टांगरबसली रेलवे स्टेशन के पास बबलू अंसारी उर्फ नबी हुसैन अंसारी नामक युवक को एक अपराधी ने गोली मारकर घायल कर दिया। मांडर के एक निजी अस्पताल में उसका चल रहा है। घटना सोमवार रात लगभग साढ़े सात बजे की है। जानकारी के अनुसार बेड़ो थाना क्षेत्र के चचकोपी गांव निवासी बबलू अंसारी रांची से ट्रेन से लौटने के बाद टांगरबसली के गुलजार मुहल्ले में एक घर में रखी अपनी बाइक बाहर निकाल रहा था। उसी दौरान एक अपराधी उसे नजदीक से गोली मारकर फरार हो गया। गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोगों ने घायल बबलू अंसारी को अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी है।

राजस्व पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों को किया गया प्रशिक्षित

चतरा: पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा सोमवार को वनाधिकार अधिनियम, 2006 एवं वन (संरक्षण एवं संवर्धन) अधिनियम, 1980 के अंतर्गत विकास परियोजनाओं के सुचारू क्रियान्वयन को लेकर जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट सह प्रशिक्षण भवन हॉल चतरा में राजस्व पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता उपायुक्त कीर्तिश्री ने की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि वनाधिकार कानूनों की गहराई से समझ और सही अनुपालन न केवल विकास परियोजनाओं को गति देगा, बल्कि स्थानीय समुदायों के अधिकारों की रक्षा भी सुनिश्चित करेगा। इस अवसर पर कार्यशाला में वन प्रमंडल पदाधिकारी उत्तरी राहुल मीणा, वन प्रमंडल पदाधिकारी दक्षिणी मुकेश कुमार, अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया सन्नी राज, अनुमंडल पदाधिकारी चतरा जहूर आलम, अंचलाधिकारी, अंचल निरीक्षक, राजस्व कर्मचारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्यः वन क्षेत्रों में विकास कार्यों से पहले जरूरी स्वीकृति प्रक्रियाओं को समझाना, संबंधित अधिनियमों के प्रावधानों की व्याख्या क्षेत्रीय स्तर पर क्रियान्वयन में आ रही व्यावहारिक चुनौतियों का समाधान, वन प्रमंडल पदाधिकारी द्वारा दोनों अधिनियमों की तकनीकी जानकारी दी गई और परियोजनाओं की प्रक्रिया को स्पष्ट किया गया। प्रशिक्षण में सहभागी अधिकारियों ने प्रश्नोत्तर सत्र में सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यशाला के दौरान सभी उपस्थित पदाधिकारियों को दिशा-निदेर्शात्मक पुस्तिका भी प्रदान की गई, जिससे वे फील्ड में कार्य करते समय सटीक कानूनी प्रक्रिया का पालन कर सकें।

पंचायत में नेतृत्व की भूमिका पर महिला प्रतिनिधियों को किया गया प्रेरित व प्रशिक्षित

चतरा : उपायुक्त कीर्तिश्री के निर्देशन में उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में सोमवार को सशक्त पंचायत-नेत्री अभियान विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य ग्राम पंचायतों में निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों को नेतृत्व कौशल से सशक्त करना, स्थानीय शासन में उनकी भागीदारी को प्रभावी बनाना तथा पंचायत स्तर पर सुशासन में उनकी सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करना था। कार्यशाला में जिले के सभी प्रखंडों से चयनित महिला मुखिया ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान उप विकास आयुक्त ने कहा, महिलाओं की भागीदारी केवल आंकड़ों तक सीमित न रहे, बल्कि वे प्रभावशाली निर्णयकर्ता के रूप में उभरें – यही इस अभियान का उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत प्रत्येक प्रखंड स्तर पर महिला वार्ड सदस्यों को भी प्रशिक्षण दिया जाएगा।महिला सशक्तिकरण एवं उनके अधिकार, सरकारी योजनाओं की जानकारी एवं निगरानी, पंचायत बजट की संरचना व व्यय पारदर्शिता, जवाबदेही एवं ग्रामसभा में भागीदारी। कार्यशाला में जिला पंचायती राज पदाधिकारी मनिंदर भगत, प्रभारी जिला परियोजना प्रबंधक (ई-पंचायत) रितेश कुमार, तथा सभी प्रखंड समन्वयक (पंचायती राज) उपस्थित रहे। उन्होंने महिला प्रतिनिधियों से संवाद कर उनके अनुभवों और कार्यक्षेत्र में आ रही चुनौतियों को साझा किया। मुख्य आकर्षणः प्रेरणादायक महिला नेतृत्व की कहानियाँ, समूह चर्चा एवं केस स्टडी ग्रामसभा में सशक्त उपस्थिति के सुझाव, कार्यशाला के अंत में टीएमपी पोर्टल पर आधार पंजीयन एवं ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज की गई, जिससे प्रतिभागी ऑनलाइन सर्टिफिकेट स्वयं डाउनलोड कर सकेंगी।

नगर निकाय चुनाव में मजबूती से उतरेगी आजसू पार्टी : सहिस

रांची : आजसू पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में सोमवार को एक समारोह का आयोजन कर नवनियुक्त पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया। पार्टी के प्रधान महासचिव एवं पूर्व मंत्री रामचंद्र सहिस ने आजसू पार्टी रांची महानगर जनजाति प्रकोष्ठ के नवनियुक्त प्रभारी निर्मल उरांव, रांची महानगर संयोजक सुरेंद्र लिंडा एवं महादेव टोप्पो को सम्मानित किया। इस अवसर पर सहिस ने कहा कि आगामी नगर निकाय चुनाव में आजसू पार्टी पूरे दम खम के साथ उतरेगी। कार्यकर्ता नगर निकाय चुनाव की तैयारी में जुट जाएं। उन्होंने कहा कि संगठन की गतिविधियों को आगे बढ़ाने की जिम्मेवारी नवनियुक्त पदाधिकारियों की है। आजसू पार्टी से जुड़ने वाले युवाओं की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। आदिवासी युवा भी पार्टी से लगातार जुड़ रहे हैं। जनता जानती है कि आजसू के संघर्ष से अलग राज्य मिला है, इसलिए इसे आजसू ही संवार सकती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार नगर निकाय का चुनाव लगातार टालने की साजिश बंद करे, क्योंकि इससे नगर निकाय क्षेत्रों की स्थिति बदतर हो गई है।

उपायुक्त ने की जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स एवं सड़क सुरक्षा टास्क फोर्स की समीक्षा बैठक

संवाददाता

चतरा : समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उपायुक्त कीर्तिश्री की अध्यक्षता में सोमवार को जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स एवं सड़क सुरक्षा टास्क फोर्स की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। खनन टास्क फोर्स बैठक के दौरान प्रमुख आंकड़े एवं निर्देश प्रस्तुत किए गए।जिला खनन पदाधिकारी मनोज टोप्पो ने अवैध खनन, परिवहन एवं भण्डारण के विरूद्ध माह- जून तक का तुलनात्मक कार्रवाई प्रतिवेदन की जानकारी देते हुए कहा कि वित्तीय वर्ष 2024- 25 में खनिज लोड पकड़े गए 49 वाहनों को जप्त करते हुए 26 प्राथमिकी दर्ज की गई है। अवैध परिवहन में 62 वाहनों को जप्त किया गया। जुमार्ना राशि के रूप में 11 लाख 13 हजार 532 रुपया की वसूली की गई है। वहीं 2025 - 26 में अब तक खनिज लोड 73 वाहनों को जप्त करते हुए 28 प्राथमिकी दर्ज की गई है। अवैध परिवहन में कुल जप्त 65 वाहनों से 10 लाख 44 हजार 322 रुपया की जुमार्ना राशि वसूल की गई है। बैठक के दौरान उपायुक्त द्वारा सभी अंचल अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि गैर-व्यावसायिक कार्यों हेतु कैटेगरी-1 बालूघाटों को चिह्नित करने के लिए अपने-अपने अंचलान्तर्गत अद्यतन

बालूघाटों की सूची शीघ्र जिला खनन पदाधिकारी, चतरा को उपलब्ध कराएं। जिला खनन पदाधिकारी को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया कि प्राप्त अंचलवार सूची के आधार पर समेकित प्रतिवेदन तैयार कर उसे डीएसआर(डिस्ट्रिक्ट सर्वे रिपोर्ट) में समाहित किया जाए एवं अग्रेतर आवश्यक कार्रवाई की जाए। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल ने मानसून अवधि (10 जून से अब तक) में अवैध बालू खनन के विरुद्ध की गई कार्रवाई की स्थिति की जानकारी मांगी। इस क्रम में जिला खनन पदाधिकारी द्वारा मई एवं जून 2025 में की गई कार्रवाई की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही यह भी निर्देशित किया गया कि दिनांक 10.06.2025 के बाद की गई कार्रवाई की अद्यतन रिपोर्ट के साथ आगामी बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित हों। उपायुक्त द्वारा अंचलवार एवं कार्यालयवार कृत कार्रवाई की समीक्षा की गई। समीक्षोपरांत उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक, चतरा द्वारा सभी अंचल अधिकारी एवं थाना प्रभारियों को निम्न निर्देश दिए गए यथा लगातार औचक छापामारी अभियान अपने क्षेत्र में अनिवार्य रूप से चलाएं,अवैध बालू, पत्थर, कोयला खनन के मामलों में दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करें। सभी कार्यवाही नियमबद्ध, पारदर्शी एवं त्वरित हो, यह सुनिश्चित किया जाए।

सड़क सुरक्षा टास्क फोर्स बैठक के निर्देशः सड़क सुरक्षा से जुड़े बिंदुओं पर चर्चा करते हुए उपायुक्त ने कहा कि बस स्टैंड की साफ-सफाई तथा यात्रियों के लिए सुलभ शौचालयों की व्यवस्था प्राथमिकता से सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि वर्षा के कारण सड़कों पर बने गड्ढों की यथाशीघ्र मरम्मत कराई जाए, अंचल अधिकारी टंडवा को ब्लैक स्पॉट चिन्हित कर सूची समर्पित करने का निर्देश, सिमरिया चौक-चौराहों पर सड़क संकेतक (रोड साइन बोर्ड) शीघ्र लगाए जाएं, मालवाहक वाहनों के परिचालन हेतु 40 किमी/घंटा की गति सीमा का कड़ाई से पालन हो, यातायात नियमों के प्रति जन-जागरूकता अभियान चलाने के लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें।बैठक में पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल, वन प्रमंडल पदाधिकारी (उत्तर) राहुल मीणा, अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया सन्नी राज, जिला परिवहन पदाधिकारी इंद्र कुमार, जिला खनन पदाधिकारी मनोज टोप्पो, सहित सभी संबंधित पदाधिकारी एवं परियोजना प्रतिनिधि उपस्थित थे।

बोलेरो और कार की टक्कर में चार बच्चे समेत छह घायल, दो गंभीर

रांची/खूंटी : रांची के तमाड़-खूंटी मुख्य मार्ग पर सोमवार रात बोलेरो और ट्रक की टक्कर हो गयी। जिसमे चार बच्चे समेत छह लोग घायल हो गए। मांझीडीह पेट्रोल पंप के पास हादसा उस समय हुआ, जब बोलेरो चालक तेज रफ्तार में ट्रक को ओवरटेक करने के प्रयास में सामने से आ रही कार में जा भिड़ा। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार सड़क पर पीछे खिसक गई और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि, कार का एयरबैग खुलने के कारण कार सवारों को गंभीर चोट नहीं आई। हादसे में चार बच्चों को मामूली चोटें लगी हैं, जबकि दो महिलाओं की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों को तमाड़ सीएचसी में प्राथमिक इलाज के बाद गंभीर रूप से घायल दोनों को रिम्स, रांची रेफर कर दिया गया है। स्थानीय लोगों के मुताबिक बोलेरो चालक नशे में था। तमाड़ पुलिस ने मौके से बोलेरो और कार को जब्त कर लिया है और हादसे की जांच शुरू कर दी है।

श्योर सक्सेस सेंटर में कौशल का दशक/जनभागीदारी पहल कार्यक्रम

संवाददाता

खूंटीः केन्द्र सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार के स्वर्णिम 10 वर्ष पूरे होने पर देश भर में कौशल का दशक/जनभागीदारी पहल 15 से 21 जुलाई तक मनाया गया। इसके अन्तर्गत जन शिक्षण संस्थान खूँटी ने 21 जुलाई 2025 को विशेष समारोह का आयोजन मुरहू सब सेंटर (श्योर सक्सेस) में किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 100 प्रशिक्षणार्थी शामिल हुए।

इस अवसर पर डायरेक्टर इंचार्ज राजेश शर्मा ने पवार प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से जेएसएस की उपलब्धि तथा कौशल विकास के महत्व को उजागर करते हुए जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि कौशल विकास न केवल व्यक्तिगत विकास के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह हमारे

देश की भलाई और आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कौशल दिवस 15 जुलाई की थीम युवा सशक्तिकरण और डिजिटल कौशल के माध्यम से और डिजिटल प्रौद्योगिकियों के इस युग में युवाओं को प्रासंगिक कौशल से लैस करना कितना महत्वपूर्ण है हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारे युवा न केवल तकनीकि रूप से सशक्त हो बल्कि वह रचनात्मक समस्या समाधान करने वाले और उद्यमी भी बने इसके लिए हमें उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, प्रशिक्षण और अवसर प्रदान करने की आवश्यकता है। हमें यह भी सुनिश्चित करना होगा की शिक्षा और रोजगार के साथ हम इंटर्नशिप और मेंटरशिप जैसे अवसर प्रदान करें । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थाना प्रभारी रामदेव यादव, डॉ धर्मेंद्र तिवारी तथा श्योर सक्सेस कोचिंग के डायरेक्टर सकलदीप भगत ने भी शिक्षा और कौशल के प्रति अपने विचार प्रस्तुत किए और विकास के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर वित्तीय वर्ष 2024-25 में चले असिस्टेंट कंप्यूटर ऑपरेटर प्रशिक्षण का विद्यार्थियों के बीच सर्टिफिकेट वितरण किया गया, जो उनके संघर्ष और मेहनत का प्रमाण है। कार्यक्रम में स्वच्छ भारत, कुशल भारत के तहत स्वच्छता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को भी रेखांकित किया गया। सभी उपस्थित लोगों ने वर्ष भर स्वच्छता रखने के लिए प्रतिज्ञा ली। जिससे वे अपने समाज, राज्य तथा देश में सकारात्मक बदलाव ला सकें। इस तरह का कार्यक्रम न केवल युवाओं को कौशल प्रदान करने में मदद करता है।

पुलिस व टीएसपीसी नक्सलियों के बीच मुठभेड़, पुलिस को भारी पड़ता देख भागे नक्सली

संवाददाता

चतरा : जिला को झारखंड सरकार द्वारा नक्सल मुक्त घोषित किए जाने के बावजूद नक्सली गतिविधियां थमने का नाम नहीं ले रही। जिले के कुंदा थाना क्षेत्र के अनगड़ा के जंगल में रविवार की देर रात चतरा पुलिस और टीएसपीसी के नक्सलियों के बीच मुठभेड़ की खबर आई है। मुठभेड़ लगभग एक घंटे तक चली। इस दौरान दोनों और से लगभग एक सौ राउंड फायरिंग हुई। घटना में किसी भी तरफ से किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। जानकारी के मुताबिक चतरा पुलिस सिमरिया एसडीपीओ शुभम खंडेलवाल के नेतृत्व में एसएसबी 35 बटालियन के जवान कुंदा थाना क्षेत्र के अनगड़ा

जंगल में सर्च अभियान चला रही थी। इसी दौरान टीएसपीसी के नक्सलियों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू दिया। पुलिस जवानों ने भी मोर्चा संभालते हुए जबाबी फायरिंग किया। पुलिस को भारी पड़ता देख नक्सली जंगल का लाभ उठाकर भागने में सफल रहे। जवानों ने नक्सलियों को खदेड़ दिया है। सूत्र बताते हैं कि कुंदा थाना क्षेत्र में अंगडा जंगल में पुलिस और टीएसपीसी के बीच हुई मुठभेड़ में टीएसपीसी के कमांडर शशिकांत का दस्ता शामिल था। बताया जाता है कि शशिकांत अपने दस्ते के साथ कुंदा व लावालौंग थाना क्षेत्र के जंगली इलाकों में सक्रिय है। पुलिस को भी इसकी जानकारी है। नक्सलियों की टोह में ही पुलिस के जवान जंगलों में सर्च अभियान के लिए निकली थी। इस दौरान दोनों ओर से मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने सर्च अभियान चलाया। अभियान में बरामद सामग्रियों में मोबाइल फोन, पावर बैंक, खाने की सामग्री, दवाइयां, इंजेक्शन, छाता,जूता एवं अन्य सामान बरामद हुआ। सोमवार को भी क्षेत्र में पुलिस ने छापामारी जारी रखा।आपको बताते चलें कि राज्य सरकार ने चतरा जिले को नक्सल मुक्त क्षेत्र घोषित कर दिया है। जिले को नक्सल मुक्त घोषित किए जाने के बाद चतरा जिले में वर्ष 2008 से पदस्थापित सीआरपीएफ 190 बटालियन को भी यहां से हटा लिया गया है।

चतरा की बेटी मन्नत बनी शूटिंग स्टार

चतरा : दिल्ली के तुलंगनाबाद स्थित करनी सिंह शूटिंग रेंज में 12 से 21 जुलाई तक आयोजित नेशनल राइफल प्रतियोगिता में चतरा की बेटी मन्नत ने सब युथ कैटिगरी में गोल्ड मेडल जीतकर जिले का नाम रोशन किया है। यह प्रतियोगिता युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार और भारतीय खेल प्राधिकरण के सहयोग से स्पोर्ट्स फॉर ऑल फाउंडेशन द्वारा आयोजित की गई थी। मन्नत ने ऑल ओवर सीओसी रैंकिंग में भी पहली बार भाग लेकर 10वां स्थान प्राप्त किया, जो बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। मन्नत ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, कोच माणिक कुमार और शिक्षकों को दिया है। मन्नत जिला परिषद उपाध्यक्ष ब्रजकिशोर उर्फ बिरजू तिवारी की पुत्री हैं और रांची स्थित ओडीएम सफायर ग्लोबल स्कूल की कक्षा 9 वीं की छात्रा हैं। इससे पहले भी मन्नत ने स्टेट लेवल की प्रतियोगिताओं में कई गोल्ड मेडल जीतकर जिले का गौरव बढ़ाया है। वर्ष 2024 में मन्नत को राज्यपाल सी. पी. राधाकृष्णन द्वारा खेल रत्न सम्मान से भी नवाजा जा चुका है।मन्नत ने कहा कि मेरा सपना है कि मैं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलकर देश का नाम रोशन करूं। उनकी इस उपलब्धि पर जिलेवासियों ने खुशी जाहिर करते हुए उन्हें बधाई दी है।

टीबी मरीजों के लिए पोषण टोकरी वितरण कार्यक्रम का आयोजन

चतराः सिविल सर्जन,चतरा परिसर स्थित कार्यालय जिला यक्ष्मा केंद्र, चतरा के प्रांगण में सोमवार को जिला स्तर पर टीबी मरीजों को पोषण टोकरी वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला कार्यक्रम प्रबंधक (एनएचएम) संगीता लुसी बाला एक्का एवं जिला लेखा प्रबंधक (एनएचएम) एवं रविंद्र कुमार विशकर्मा उपस्थित थे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के द्वारा 78 टीबी मरीजों को पोषण टोकरी वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के द्वारा बताया गया कि टीबी मरीजों को समय समय पर अपने स्वास्थ्य की जांच कराते रहना चाहिए। उन्हें नियमित अपना वजन, हीमोग्लोबिन, बलगम की जांच कर दवा का सेवन करना है। यक्ष्मा मरीजों को समय पर दवा का सेवन करने और समय पर जांच व नियमित दवा के सेवन से टीबी को पूरी तरह से समाप्त किया जा सकता है। मुख्य अतिथि के द्वारा कहा गया कि सरकार द्वारा टीबी मरीजों के लिए चलाई जा रही कार्यक्रमों की भी जानकारी दी गई।जिसमे निश्चय मित्र सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड एवं सिनी संस्था के संयुक्त तत्वावधान में जिले के टीबी मरीजों को पोषण टोकरी वितरण किया जा रहा हैं एवं साथ ही साथ टंडवा प्रखंड के अन्तर्गत दस पंचायतों को चिन्हित कर उस पंचायत में टीबी गहन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है ओर दो सालों में उस चिन्हित पंचायतों को टीबी मुकत पंचायत करने के उद्देश्य से कार्य किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग से आलोक कुमार श्रीवास्तव,प्रशांत कुमार(आई डीएसपी),रवीन्द्र कुमार,नवीन मिश्रा,अनु कुमार,सुरेश मंडल,संजय यादव,सरफराज,राजेश कुमार एवं समस्त अधिकारी एवं यक्ष्मा कर्मी एवं सीनी संस्था से मुंतज़िर,अमरजीत,ओमप्रकाश शर्मा उपस्थित थे।

ग्रामीणों ने वन विभाग के कर्मियों पर किया हमला

आरोपी सेवानिवृत्त सैनिक महेश बांडों को हथकड़ी समेत छुड़ाकर ले भागे

हमले में वनरक्षी गोपाल गंझू घायल, मामला दर्ज

संवाददाता

चतरा : सोमवार को चतरा सदर अस्पताल में उस समय अफरातफरी मच गई जब वन विभाग के एक आरोपी को छुड़ाने के लिए सदर प्रखंड क्षेत्र के डाढ़ा गांव के एक दर्जन से अधिक ग्रामीणों ने वन विभाग के निहत्थे वन रक्षियों पर हमला बोल दिया और हथकड़ी समेत छुड़ाकर ले भागे। जानकारी के मुताबिक वन विभाग की ओर से सदर प्रखंड

क्षेत्र के डाढ़ा गांव में वन रोपन का काम कराया जा रहा है। वन विभाग अपने वन भूमि पर पेड़ पौधे लगवा रहा है। डाढ़ा गांव के रहने वाले सेवानिवृत्त सैनिक महेश बांडों पर पेड़ पौधे लगाने के लिए खोदे गए गड्ढे को भरवाने का आरोप है। सोमवार को गांव में हो हंगामा करने के बाद वन रोपण का कार्य करा रहे वन कर्मियों ने महेश बांडों को गिरफ्तार कर लिया। वन कर्मी उसे गिरफ्तार कर वन विभाग कार्यालय लाए और इसके विरुद्ध वन अधिनियम के तहत मामला दर्ज करते हुए जेल भेजने की तैयारी में जुटे थे। जेल भेजे जाने के पहले महेश बांडों को मेडिकल जांच के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया था। सदर अस्पताल में पहले से ही डाढ़ा गांव के दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे। जैसे ही वन कर्मी महेश बांडों को लेकर सदर अस्पताल पहुंचे। ग्रामीणों ने वन रक्षियों पर हमला बोल दिया और महेश बांडों को हथकड़ी सहित लेकर भाग निकले। ग्रामीणों के हमले में वनरक्षी गोपाल गंझू घायल हुए हैं।

लोकसभा का चुनाव लड़ चुका है महेश बांडोंः वन रक्षियों पर हमला कर फरार होने वाला महेश बांडों डाढ़ा व आसपास के ग्रामीणों को गोलबंद कर राजनीति में सक्रिय है। सेना में सेवा देने के बाद जब वह सेवानिवृत्त होकर गांव लौटा तब से राजनीति में सक्रिय है। बीते लोकसभा चुनाव में उसने निर्दलीय प्रत्याशी के रुप से चुनाव भी लड़ा था। हांलाकि उक्त चुनाव में उसकी जमानत भी नहीं बच पाई थी।

केंद्रीय गृह सचिव का झारखंड दौरा 28 जुलाई को, डीजीपी आज करेंगे उच्चस्तरीय बैठक

गृह सचिव का यह दौरा राज्य में नशे के बढ़ते दुरुपयोग और अवैध मादक पदार्थों के व्यापार पर रहेगा केंद्रित

संवाददाता

रांची : केंद्रीय गृह सचिव 28 जुलाई को झारखंड दौरे पर आ रहे हैं। यह दौरा खासतौर पर राज्य में नशे के बढ़ते दुरुपयोग और अवैध मादक पदार्थों के व्यापार पर केंद्रित रहेगा। दौरे की तैयारियों को लेकर राज्य के मुख्य सचिव और डीजीपी ने कमान संभाल ली है। झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने आज 22 जुलाई को एक उच्चस्तरीय बैठक बुलाई है। इस बैठक में स्पेशल ब्रांच, मानवाधिकार, सीआईडी, डीआईजी जैप, विधि विज्ञान प्रयोगशाला और एटीएस के विरष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। बैठक में दौरे को लेकर पुलिस की तैयारियों की समीक्षा की जाएगी।

मुख्य सचिव 23 जुलाई को दौरे की व्यवस्थाओं की समग्र समीक्षा करेंगी। इस बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहेंगे और हर स्तर पर तैयारियों को अंतिम रूप दिया जाएगा। गौरतलब है कि इससे पहले अप्रैल में भी केंद्रीय गृह सचिव का झारखंड दौरा तय था, लेकिन कुछ कारणों से वह रद्द हो गया था। इस बार वे रांची में राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों से बैठक करेंगे। बैठक में नशे के खिलाफ जिला स्तर पर की गई कार्रवाई, अवैध व्यापार की रोकथाम और इससे निपटने की रणनीति जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा होगी। दौरा सुरक्षा और प्रशासनिक दृष्टिकोण से काफी अहम माना जा रहा है।

बड़ा विमान हादसा टला

पूर्वी सिंहभूम: सोनारी एयरपोर्ट पर मंगलवार को बड़ा हादसा होते-होते टल गया। भुवनेश्वर से आने वाला इंडिया वन एयर का 19 सीटर विमान लैंडिंग के दौरान अचानक फिसल गया। विमान रनवे से उत्तर दिशा की ओर घास पर जा रुका। इस विमान में दो पायलट सहित कुल 9 यात्री सवार थे। हालांकि एयरपोर्ट प्रशासन की ओर से अभी इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है।

जेबीवीएनएल ने जारी किया नोटिस

स्मार्ट प्रीपेड मीटर में बैलेंस नहीं रहने पर कट जायेगी बिजली

रांची: झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड (जेबीवीएनएल) ने रांची, धनबाद एवं राज्य के सभी प्री-पेड स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए नोटिस जारी कर कहा कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर में अब पर्याप्त बैलेंस रखना होगा। ऐसा नहीं होने पर बिजली कट जायेगी । जेबीवीएनएल में इसके लिए 25 जुलाई 2025 से ऑटोमेटिक लाइन डिस्कनेक्शन अभियान शुरू हो रहा है। इसलिए जेबीवीएनएल ने उपभोक्ताओं से अनुरोध किया कि प्रीपेड स्मार्ट मीटर की वॉलेट को रिचार्ज कर पॉजिटिव बैलेंस सुनिश्चित करें। जिससे आपको बिजली उपयोग करने में बाधा उत्पन्न न हो। वर्तमान में 10 हजार रुपये से अधिकवाले बकायेदारों की बिजली स्वतः कटने लगी है। बिजली काटने के लिए कोई आदमी नहीं जाता है, बल्कि मीटर को ही ऑनलाइन बंद कर दिया जाता है। इससे उपभोक्ता के घर में बिजली बंद हो जाती है। रांची सर्किल में अभी तक आठ हजार उपभोक्ताओं को डिस्कनेक्ट किया जा चुका है।

केन्द्रीय सरना समिति ने झारखंडी भाषा व संस्कृतिक बचाने को लेकर पुलिस महानिदेशक को सौंपा ज्ञापन

झारखंडी भाषा संस्कृतिक पर आघात और फुहड़ता बर्दाश्त नहीं : बबलू मुंडा

संवाददाता

रांची: झारखंडी लोक संगीत में बढ़ती अश्लीलता, फूहड़ता व सांस्कृतिक प्रदूषण पर रोक लगाने को लेकर केन्द्रीय सरना समिति अध्यक्ष बबलू मुंडा की अगुवाई में झारखंड के पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता को ज्ञापन सौंपा गया। केन्द्रीय अध्यक्ष बबलू मुंडा ने कहा कि झारखंड की पहचान उसकी लोक भाषाओं, आदिवासी परंपराओं, और सांस्कृतिक विरासत से है। परंतु हाल के दिनों में झारखंडी संगीत में तेजी से अश्लीलता, फूहड़ता,और संस्कारहीनता फैल रही है, जिससे समाज में सांस्कृतिक प्रदूषण बढ़ रहा है।

इन गीतों में प्रयुक्त अभद्र भाषा, नारी विरोधी भाव, तथा गंभीरता-विहीन प्रस्तुतिकरण हमारी आदिवासी अस्मिता, लोक गौरव, और भाषाई मयार्दा को गहरा आघात पहुँचा रहे हैं। यह प्रवृत्ति युवाओं को विकृति और भ्रमित आदर्शों की ओर ले जा रही है। श्री मुंडा ने पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता से अनुरोध किया कि अश्लील व फूहड़ गीतों के निर्माण, प्रदर्शन और प्रचार पर प्रभावी रोक लगायी जाये। मंचीय कार्यक्रमों व सोशल मीडिया पर सांस्कृतिक मयार्दा के उल्लंघन पर प्रशासनिक निगरानी रखी जाये। सोशल मीडिया व यूट्यूब पर प्रसारित अशोभनीय वीडियो पर साइबर सेल द्वारा कार्रवाई हो।

लोकभाषा-संस्कृति की रक्षा हेतु कलाकारों व आयोजकों को संवेदनशील दिशा-निर्देश दिए जाएं। सकारात्मक, शालीन और प्रेरणादायक लोकगीतों को प्रशासनिक स्तर पर प्रोत्साहन मिले। हमें विश्वास है कि आप इस विषय को गंभीरता से लेते हुए झारखंड की सांस्कृतिक अस्मिता और लोक गरिमा की रक्षा में ठोस कदम उठाएं जायेंगे।

इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से केन्द्रीय सरना समिति अध्यक्ष बबलू मुंडा, महासचिव महादेव टोप्पो,पवन रॉय, पंकज रॉय, अनिल राम,रमन गुप्ता, मनोज शहरी, मोनू राज, कवि किशन,अमित तिर्की, सुरेंद कुजूर, कुमार प्रीतम, इग्नेश कुमार, अनीता बाड़ा, ज्योति साहू, वर्षा ऋतु, मोनिका मुंडू, विजय प्रभाकर, पूजा मुंडा, सुमन गुप्ता, मंगल करमाली, केशव केसरिया, विवेक नायक, नितेश कच्छप, पप्पू चौहान, रूपेश बड़ाइक, सत्या महतो, राजदेव नायक, राज रॉय, विनय तिवारी, अमन महतो, पंकज उरांव, दिनेश देवा, सतीश सहदेव, सोनू कुमार, सुनैना कच्छप, बेलाल गुरु, रंजू मिंज, प्रतीत कच्छप, अविनाश पासवान, दीनबंधु विनोद, परवीन बाड़ा, विजय लोहरा, रवि स्टूडियो, बबलू स्टूडियो, किसन राज, विनोद स्टूडियो, सरसती बुनकर, उर्मिला महंतो, प्रीति बारला, सालेम ग्रुप, राजू करकेटा, सनी सिंह, आशीष तिग्गा व अन्य उपस्थित थे।

अपने लंबित मांगों को लेकर एचईसी कर्मियों ने किया अर्धनग्न होकर प्रदर्शन, जमकर की नारेबाजी

संवाददाता

रांची: भारी इंजीनियरिंग निगम (एचईसी) के कर्मचारियों ने एक बार फिर अपनी लंबित मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। इस बार कर्मचारियों ने अर्धनग्न होकर धरना दिया, जिससे उन्होंने अपनी नाराजगी और सरकार की उदासीनता को सार्वजनिक रूप से उजागर किया।

प्रदर्शन कर रहे कर्मियों की प्रमुख मांगों में कई महीनों से लंबित वेतन का भुगतान, बकाया भत्ते, भविष्य निधि (पीएफ) और कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) जैसी सामाजिक सुरक्षा सुविधाएं शामिल हैं। उनका कहना है कि वे लंबे समय से आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं, लेकिन केंद्र और राज्य सरकार दोनों ही उनकी समस्याओं की अनदेखी कर रही हैं। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि उन्होंने अब तक शांतिपूर्ण प्रदर्शन, ज्ञापन सौंपने और प्रशासनिक अधिकारियों से गुहार लगाने जैसे कई प्रयास किए हैं, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। मजबूरी में उन्हें अब सड़क पर उतरकर अर्धनग्न प्रदर्शन करना पड़ा है।

प्रदर्शन के दौरान कर्मियों ने जमकर नारेबाजी की और सरकार को चेतावनी दी कि अगर जल्द उनकी मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो वे आमरण अनशन और राजधानी में जुलूस निकालने जैसे कठोर कदम उठाने को विवश होंगे। गौरतलब है कि एचईसी एक समय देश का प्रतिष्ठित सार्वजनिक उपक्रम था, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से यह वित्तीय संकट और प्रबंधन की लापरवाही के चलते अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है। कर्मचारियों का यह अर्धनग्न प्रदर्शन उनकी हताशा और आक्रोश का प्रतीक बन गया है, जो सरकार और संबंधित विभागों के लिए एक गंभीर चेतावनी के रूप में देखा जा रहा है।

क्रांतिकारी अभिभावक मंच ने विवेकानंद विद्या मंदिर स्कूल के प्रबंधन की मनमानी के खिलाफ उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

रांची: स्कूल-कॉलेज के छात्रों के हितों के संरक्षण हेतु गठित संस्था क्रांतिकारी अभिभावक मंच ने एचईसी परिसर स्थित विवेकानंद विद्या मंदिर स्कूल प्रबंधन द्वारा स्पोर्ट्स फी (खेलकूद शुल्क) के नाम पर अभिभावकों से प्रतिमाह सात सौ रुपए वसूले जाने को अनुचित ठहराते हुए इस संबंध में उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा है।

मंच की अध्यक्ष ज्योति सिन्हा ने ज्ञापन में कहा है कि विवेकानंद विद्या मंदिर स्कूल प्रबंधन खेलकूद के नाम पर अभिभावकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रबंधन द्वारा कुछ चहेते शिक्षकों को उपकृत करने, नियम विरुद्ध वेतन में वृद्धि करने की नीयत से खेलकूद शुल्क के नाम पर अवैध वसूली की जा रही है, ताकि अपने चहेते शिक्षकों को वेतन में वृद्धि कर सकें। उन्होंने कहा कि अभिभावकों पर आर्थिक बोझ डालकर प्रबंधन द्वारा चहेते शिक्षकों को लाभ पहुंचाने के लिए अभिभावकों को बली का बकरा बनाया जा रहा है, यह अनुचित है। उन्होंने कहा कि उपायुक्त से इस दिशा में यथोचित कार्रवाई करने का अनुरोध किया गया है, यदि विद्यालय प्रबंधन द्वारा स्पोर्ट्स फी के नाम पर राशि वसूलने का निर्णय वापस नहीं लिया गया, तो मंच द्वारा आंदोलन तेज किया जाएगा।

आरटीइ के तहत हुआ गरीब बच्ची का नामांकन

रांची: उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री के जनता दरबार में एक बार फिर समस्याओं को लेकर शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। लोगों ने शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा, भूमि विवाद, दाखिल-खारिज, पेंशन एवं अन्य मुद्दों पर अपनी शिकायतें दर्ज करायीं। इसमें उपायुक्त ने सभी फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके त्वरित समाधान का निर्देश दिया। कार्यक्रम में दो दंपती अपने छोटे बच्चियों को लेकर पहुंचे थे। उन्होंने उपायुक्त को धन्यवाद दिया कि आरटीइ के तहत उनकी बच्ची का नामांकन निजी स्कूल में हो गया। इस पर उपायुक्त ने कहा कि यही है असली बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ की मिसाल। प्रशासन का उद्देश्य ही यह है कि कोई बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे।

प्रदेश कान्य कुब्ज वैश्य हलवाई महासभा के नये अध्यक्ष, महामंत्री व कोषाध्यक्ष का मनोनयन

मेट्रो रेज

रांची: झारखंड प्रदेश कान्य कुब्ज वैश्य हलवाई महासभा के आजीवन अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता ने महासभा के प्रति समर्पित भाव से किए गए सराहनीय कार्यों को देखते हुए महासभा के सुचारू रूप से संचालन हेतू कार्यकारी अध्यक्ष पद के लिए दीनानाथ गुप्ता (अधिवक्ता),प्रदेश महामंत्री बिरेंद्र प्रसाद एवं प्रदेश कोषाध्यक्ष दिलीप कुमार को मनोनीत किया। ज्ञातव्य हो कि दिनांक 13 जुलाई को हुए पूज्यपाद महर्षि मोदन सेन महाराज की जयंती सह पारिवारिक मिलन समारोह एवं कमिटी के पुनर्गठन कार्यक्रम में अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता ने अपने बढ़ते उम्र एवं अस्वस्था के कारण स्वेछापूर्वक अपने पद से इस्तीफा देकर कमिटी को भंग किया एवं पुनः उन्हें राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ राजेंद्र प्रसाद की उपस्थिति एवं उपस्थित स्वजातीय बंधुओं द्वारा सर्वसम्मति से पुनः आजीवन अध्यक्ष चुन लिया गया। जिसका तालियों की गड़गड़ाहट के साथ स्वागत किया गया। आजीवन अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता ने मनोनीत तीनों पदाधिकारीयों को कमिटी विस्तार की जिम्मेवारी सौंपी।

पूर्व पार्षद के तीन भाइयों की संपत्ति और घर कुर्क करने का आदेश

रांची : हिंदपीढ़ी में युवक पर जानलेवा हमला करने मामले में पूर्व पार्षद असलम के तीन भाइयों की संपत्ति और घर को कुर्क करने का आदेश रांची सिविल कोर्ट ने दिया है। यह आदेश हिंदपीढ़ी थाना पुलिस के आवेदन पर सीजेएम कोर्ट ने जारी किया। तीनों भाइयों के नाम मो अकबर (मुन्ना), मो अकरम (राजू) और मो दिलावर बताया गया है।

तीन आरोपी अभी भी फरार: पुलिस के अनुसार मो अकबर, मो अकरम और मो दिलावर अब तक फरार हैं। वहीं, पूर्व पार्षद असलम और उनके भाई आसिफ ने पिछले महीने कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया था। दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। असलम और आसिफ ने जमानत के लिए आवेदन किया था, लेकिन कोर्ट ने उनकी जमानत खारिज कर दी।

क्या है मामला : यहां याद दिला दें कि 23 जनवरी को हिंदपीढ़ी निवासी कलीम ने असलम और उनके भाइयों के खिलाफ शिकायत दर्ज की थी। कलीम ने आरोप लगाया कि 22 जनवरी को मोजाहिद नगर में असलम और उनके भाइयों ने इरशाद (अप्पू) पर जानलेवा हमला किया। आरोपियों ने उस पर फायरिंग की और मारपीट की। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसके बाद मामला चर्चा में आया।

फामेर्सी काउंसिल में झारखंडियों के मनोनय को लेकर धरना कल : देवेंद्रनाथ महतो

रांची: 'झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा' अपने क्षेत्रीय मुद्दों को लेकर प्रखर हैं। झारखंड फामेर्सी काउंसिल में झारखंडी सदस्यों के चयन को लेकर आंदोलन का ऐलान किया है। कल 23 जुलाई (बुधवार) को फामेर्सी काउंसिल में निबंधक सहित सदस्यों में का चयन नियम संगत झारखंडी अभ्यर्थी को मनोनीत करने के मांग को लेकर झारखंड स्टेट फामेर्सी काउंसिल बरियातू के समक्ष धरना देंगे। संगठन की ओर से इसकी प्रशासनिक व विभिगीय सूचनार्थ दे दिया गया है। आंदोलन का नेतृत्व कर्ता देवेंद्रनाथ महतो ने मीडिया में जानकारी देते हुए कहा कि निबंधन सह सचिव (प्रशांत कुमार पांडे) का औपबंधिक कार्यकाल 13 अप्रैल 2025 को समाप्त हो चुका है। नियमों का अवहेलना करते हुए गलत तरीके से गैर सरकारी को मनोनीत किया गया है। जिससे फामेर्सी अभ्यार्थियों के सुचारू शिक्षण संचालन नहीं हो पा रहा है। नियम संगत सरकारी पद पर कार्यरत योग्य झारखंडी अभ्यर्थियों का चयन फामेर्सी काउंसिल के सदस्यों पर होने के मांग हेतु हमारा संगठन लगातार कटिबंध हैं। साथ ही श्री महतो ने कहा कि तमाम विधिवत पत्राचार के साथ विभागीय सचिव से मुलाकात विस्तृत इसकी जानकारी हमने साझा किया है। इसके बाद भी सरकार की उदासीन रवैया बरकरार है। इससे स्वास्थ्य विभाग में भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिल रहा है।

बताते चलें कि उक्त मांग को लेकर डुमरी विधायक जयराम कुमार महतो ने मुख्यमंत्री को सीधा पत्राचार के साथ शीतकालीन सत्र में अपने बात रखा था। एवं विधायक सरयू राय ने भी चलते सत्र में पदाधिकारियों द्वारा गलत सूचनार्थ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया था।

जिसका अब आंदोलन के तहत अपने मांगों को रखने हेतु (कल बुधवार को) फामेर्सी काउंसिल के समक्ष धरना देंगे।

सावन मिलन महोत्सवः नीता बनी सावन क्वीन

हर्ष -उल्लास से मनाया गया कुंज का सावन मिलन समारोह

मेट्रो रेज

रांची: 'श्री साहित्य कुंज' साहित्यिक संस्था के सावन उत्सव का मेकॉन कॉलोनी के 'इस्पात क्लब' में समापन हुआ। नृत्य, संगीत, रंगोली ,मेंहदी,हस्तकला, चित्रकला, पाककला आदि विभिन्न कलाओं का समन्वय इस आयोजन में देखने को मिला। रांची दूरदर्शन की कला संयोजिका व उद्घोषिका 'अनामिका सिंह' ने इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में अपनी उपस्थिति से चार चांद लगा दिया। दूरदर्शन की कैमरा टीम ने सावन उत्सव को कैमरे में कैद किया।

शिव तांडव स्तोत्र पर देशना खुशराज बरनवाल ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। दिव्या और मधुमिता साह के पर मनमोहक नृत्य पर सभी वाह वाह कर उठे। भावना अंबष्ठा ,नीता शेखर के फिल्मी गीतों पर दर्शक ठुमका लगाने लगे। कजरी , बिरहा, ठुमरी व गीत में सीमा सिन्हा, चेतना यादव , ऋतुराज वर्षा, निर्मला कर्ण, भजन में रश्मि सिन्हा,अर्पणा श्रीवास्तव आदि ने मनमोहक गीतों की प्रस्तुतियां दी।

सावन रानी का खिताब - प्रथम नीता शेखर, द्वितीय रंजना वर्मा एवं तृतीय ऋतुराज वर्षा को दिया गया।

कार्यक्रम में सभी को गिफ्ट व सुहाग समृद्धि प्रदान किये गये। धन्यवाद ज्ञापन मंच की उपाध्यक्ष निर्मला कर्ण' ने किया। इस आयोजन में हर कला क्षेत्र से दो प्रतिभागियों को चयन के आधार पर सम्मानित किया गया। पाककला में खुशबू बरनवाल व स्मिता / हस्तकला में मोनिका प्रसाद व सीमा सिन्हा/चित्रकला में सिम्मी नाथ व रश्मि सिन्हा। रंगोली कला में मधुमिता साह व भावना अंबष्ठा/नृत्यकला में रूणा रश्मि व दिव्या/ गीत गायन कला में रेणु झा व रिंकु बनर्जी को सम्मानित किया गया।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय, खूँटी

(सर्वसाधारण के लिए सूचना)

दिनांक–09.07.25 को तोरपा थाना क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम– खूँटी–सिमडेगा रोड में चकला मोड़ के पास से एक अज्ञात मृत पुरूष का भाव बरामद किया गया है। उक्त अज्ञात व्यक्ति के बारे में पता लगाने का काफी प्रयास किया गया, परन्तु कुछ पता नहीं चल पा रहा है। इस संबंध में तोरपा थाना काण्ड सं0–48/25, दिनांक–09.07.25 धारा–103(1) BNS 2023 दर्ज किया गया है।

अतः सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि उक्त अज्ञात भाव के बारे में पता चलता है तो नीचे अंकित दूरभाश नं0 पर अविलम्ब सूचित करेंगें।

पुलिस अधीक्षक, खूँटी – 9431706116
थाना प्रभारी, तोरपा – 7903216078
डी0सी0बी0, शाखा, खूँटी – 8340655295

पुलिस अधीक्षक, खूँटी।

PR.NO.357844 Police(25-26):D

कार्यालय : जिला मत्स्य पदाधिकारी-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, हजारीबाग

आवेदन का आमंत्रण (आम सूचना)

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग) झारखण्ड, रॉची के बिभागीय स्वीकृत्यादेश सं0 11 रा0 (वि0) दिनांक 04.07.2025 के द्वारा मत्स्य प्रसार, अनुसंधान एवं प्रशिक्षण योजना के अंतर्गत मत्स्य मित्र स्वैच्छिक कार्यकत्ताओं का पारिश्रमिक कार्य के उपरांत कार्य के अनुरूप मानदेय राशि का भुगतान करने का प्रावधान किया गया है। विभाग द्वारा संचालित विभिन्न प्रकार की योजनाओं के साथ मत्स्य कृषकों का दुर्घटना बीमा, राजस्व जलकर की बंदोबस्ती इत्यादि कार्यो के लिए मत्स्य निदेशालय, झारखण्ड, रॉची के ज्ञापांक संख्या 2075 दिनांक 11.12.2023 के द्वारा निर्धारित कार्यो के लिए निर्धारित पारिश्रमिक राशि का भुगतान किया जायेगा। उक्त कार्यो के लिए हजारीबाग जिला के लिए सभी प्रखण्डों में मत्स्य मित्र का चयन किया जाना है। स्वैच्छिक रूप से अपना आवेदन पत्र दिनांक 08.08.2025 तक कार्यालय में जमा कर सकतें है।

आवेदन पत्र के साथ निम्नांकित कागजात संलग्न करना अनिवार्य होगा।

1. शैक्षणिक योग्यता :– मैट्रिक उत्तिर्ण।
2. किसी भी मान्यता प्राप्त संस्थान का कम्प्यूटर चलाने का प्रमाण पत्र संलग्न करना होगा।
3. तैरने का ज्ञान होना आवश्यक है।
4. आधार कार्ड की छायाप्रति।
5. दो पहिया वाहन चलाने का लाईसेंस की छायाप्रति।
6. भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा निर्गत मतदाता प्रमाण पत्र।

नोट :– आवेदन पत्र कार्यालय में निःशूल्क उपलब्ध।

ह0/–
जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी
हजारीबाग

PR 357808 Fish (25-26)_D

सूक्ति

मनुष्य को चाहिए कि वह परिस्थितियों से लड़े, एक स्वप्न टूटे तो दूसरा गढ़े:
अटल बिहारी वाजपेय

मानसून सत्र मूसलाधार

संसद का मानसून सत्र सोमवार से शुरू हो गया। यह सत्र 21 अगस्त तक चलेगा और इस दौरान 21 बैठकें तय की गई हैं। सरकार ने 17 विधेयक पेश और पारित करने हैं। हालांकि उनमें से कोई भी विवादास्पद नहीं लगता। क्या संसद का मानसून सत्र सुचारू रूप से चल पाएगा, बहस और विमर्श के जो मुद्दे और विषय हैं, क्या उन पर हंगामा नहीं होगा? संसद की कार्यवाही बाधित नहीं होगी और बार-बार सदन स्थगित करने की नौबत नहीं आएगी? ये कुछ अहम सवाल हैं, जो संसद के प्रत्येक सत्र से पहले उठाए जाते रहे हैं। दरअसल ये सवाल अनिवार्य हो गए हैं, क्योंकि यह परंपरा बन चुकी है कि संसद की कार्यवाही के दौरान विपक्ष ने हंगामा, नारेबाजी, पोस्टरबाजी करनी ही है। इस संदर्भ में आज का विपक्ष अरुण जेतली और सुषमा स्वराज के पुराने बयानों को दोहराता रहता है। आज दोनों नेता दिवंगत हैं, लेकिन बयान देने के वक्त वे प्रतिपक्ष के नेता थे। सदन में लगातार हंगामा कर, कई-कई दिनों तक, कार्यवाही को बाधित करना हम ह्यलोकतंत्रह्न नहीं मानते। हालांकि विरोध करने का, स्वतंत्र अभिव्यक्ति का, संविधान ने हमें मौलिक अधिकार दिया है, लेकिन संसद के भीतर उसकी गलत व्याख्या की जाती रही है। सदन में हुड़दंग मचाना, अध्यक्ष के आसन तक आकर नारेबाजी करना, नियमों की किताब फाड़ देना, मेजों पर चढ़ कर नृत्य की मुद्राएं बनाना कमोबेश किसी संसदीय लोकतंत्र के प्रतीक-चिह्न नहीं हैं। संसद में विरोध जताने के निश्चित नियम हैं अथवा सांसद व्यवस्था का सवाल उठा कर हस्तक्षेप कर सकते हैं, लेकिन बीते अतीत में भाजपा ने कई-कई दिनों तक संसद की कार्यवाही चलने नहीं दी थी, लिहाजा आज का विपक्ष भी प्रतिरोध जताते हुए वैसा ही करेगा, यह तो भारत के सर्वोच्च, गरिमापूर्ण मंदिर की कोई संसदीय विरासत नहीं होनी चाहिए। भारत दुनिया का सबसे बड़ा, विविध और सफल लोकतंत्र है, लिहाजा उसका गौरव और उसकी मयार्दा भी हमारे निर्वाचित सांसदों के हाथों में ही है। हमें यकीन है कि हमारे प्रतिपक्षी सांसद इन शब्दों को पढ़ कर सचेत और जागृत नहीं होंगे, क्योंकि हमारी राजनीति की बुनियाद और संचालन दकियानूसी और आलाकमानी है। इस बार भी कई मुद्दों पर विपक्ष के ढेरों सवाल हैं। सबसे अहम है-ऑपरेशन सिंदूर। पहलगाम नरसंहार, खुफिया तंत्र की नाकामी, गायब सुरक्षा-व्यवस्था, नतीजतन पाकिस्तान के साथ करीब 90 घंटे का युद्धनुमा संघर्ष, अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप का संघर्ष-विराम कराने का बार-बार दावा आदि सवाल ऑपरेशन सिंदूर से ही नत्थी हैं। भारत की विदेश नीति पर भी सवाल उठाए जाते रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप के 4-5 लड़ाकू विमान गिराए जाने वाला बयान भी हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा और सैन्य तैयारियों से जुड़ा है। विपक्ष इन सवालों पर संसद में प्रधानमंत्री मोदी के वक्तव्य का आग्रह करता रहा है। प्रधानमंत्री 23-24 जुलाई को ब्रिटेन और 25-26 जुलाई को मालदीव के प्रवास पर हैं। हालांकि संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष को आश्वस्त करने की कोशिश की है कि सरकार हर मुद्दे पर चर्चा करने और उसका माकूल जवाब देने को तैयार है। प्रधानमंत्री 27 जुलाई के बाद ही संसद में बयान दे सकेंगे, यदि वह चाहेंगे। हालांकि ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े मुद्दों पर हमारी सेना का शीर्ष नेतृत्व और विदेश मंत्रालय कई बार स्पष्टीकरण दे चुके हैं, लेकिन विपक्ष के सवाल और संदेह यथावत हैं। वे प्रधानमंत्री का जवाब सुनना चाहते हैं। इसमें कुछ गलत भी नहीं है, क्योंकि प्रधानमंत्री संसद के प्रति जवाबदेह हैं। बिहार में चुनाव आयोग द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण के अभियान पर भी विपक्ष सशंकित है कि लाखों लोग मताधिकार से वंचित किए जा सकते हैं। यह घोर असंवैधानिक होगा। बेहद अहम सवाल है कि देश के करीब 44 लाख करोड़ रुपए सरकार आधार कार्ड, मनरेगा कार्ड के जरिए लोगों में बांटती है और चुनाव आयोग उसे वैध दस्तावेज मानने को तैयार नहीं। आखिर कौन है चुनाव आयोग? क्या वह देश की संवैधानिक व्यवस्थाओं से भी ऊपर है? कई और मुद्दे हैं, जिन पर विपक्ष सवालों की मूसलाधार करने के मूड में है। संसद की कार्यवाही का दायित्व दोनों पक्षों पर है। अकेली सरकार भी सदन नहीं चला सकती। सांसद इस बिंदु पर भी सोचें कि पहली लोकसभा के दौरान साल में 135 दिन तक संसद की कार्यवाही चलती थी, लेकिन अब सिकुड़ कर औसतन 55 दिन रह गई है।

अहमदाबाद विमान हादसा

अहमदाबाद विमान हादसे को लेकर अमेरिकी मीडिया वॉल स्ट्रीट जर्नल ने एक रिपोर्ट में दावा किया है कि अहमदाबाद में एयर इंडिया के बोईंग 787 विमान हादसे के लिए पायलट जिम्मेदार है। रिपोर्ट में कॉकपिट रिकॉर्डिंग के आधार पर दावा किया गया है कि विमान के कैप्टन ने ईंधन सप्लाई के दोनों स्विच को बंद किया था जिसकी वजह से इंजन बंद हो गए और विमान उड़ान भरने के कुछ मिनटों में ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अमेरिकी अधिकारियों के शुरूआती आकलन की जानकारी रखने वालों के हवाले से रिपोर्ट तैयार की है। इसमें कहा गया कि कॉकपिट रिकॉर्डिंग से साफ है कि बोइंग 787 ड्रीमलाइनर उड़ा रहे फर्स्ट ऑफिसर ने अधिक अनुभवी कप्तान से पूछा कि रनवे से उड़ान भरने के बाद उन्होंने स्विच को बंद क्यों किया। इस पर फर्स्ट ऑफिसर ने आश्चर्य व्यक्त किया और फिर घबरा गया, जबकि कप्तान शांत रहे। एअर इंडिया का विमान कैप्टन सुमित सभरवाल व फर्स्ट ऑफिसर क्लाइव कुंदर उड़ा रहे थे। इनके पास क्रमशः 15,638 घंटे और 3,403 घंटे का कुल उड़ान अनुभव था। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट में कहा गया कि पिछले हफ्ते भारत के विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने भी अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट में 12 जून की दुर्घटना से ठीक पहले कॉकपिट में भ्रम की स्थिति को दशार्या था। उसने भी इंजन ईंधन कटऑफ स्विच की स्थिति पर सवाल उठाए थे। वॉल स्ट्रीट की रिपोर्ट को नकारते हुए विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो के महानिदेशक जीवीजी युगंधर ने कहा कि एयर इंडिया की उड़ान एआई 171 के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारणों के बारे में विदेशी मीडिया के कुछ तबकों में लगाई जा रही अटकलें निराधार और समयपूर्व हैं। एयर इंडिया के बोइंग 787-8 विमान (पंजीकरण वीटी-एएनबी) के 12 जून को दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद युगंधर का यह पहला सार्वजनिक बयान है। इस हादसे में विमान में सवार 242 लोगों में से 241 की मौत हो गई थी। अपील शीर्षक के तहत उनका यह बयान द वॉल स्ट्रीट जर्नल द्वारा यह रिपोर्ट प्रकाशित किए जाने के कुछ घंटों बाद आया है। युगंधर ने कहा कि इस हादसे में मारे गए यात्रियों, चालक दल के सदस्यों एवं अन्य मृतकों के परिवार के सदस्यों को हुए नुकसान के प्रति संवेदनशीलता का सम्मान करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि हमारे संज्ञान में आया है कि अंतरराष्ट्रीय मीडिया के कुछ वर्ग बार-बार चुनिंदा और तथ्यों को सत्यापित किए बिना की जा रही रिपोर्टिंग के जरिये निष्कर्ष निकालने की कोशिश कर रहे हैं। इस तरह का काम बिल्कुल गैरजिम्मेदाराना है, खास तौर पर ऐसे समय में जब हादसे की जांच जारी है।

एआई और विकसित होती आधुनिक शिक्षा

> आज एआई का सबसे बड़ा योगदान यह है कि यह व्यक्तिगत शिक्षण को सक्षम बनाता है। सर्वमान्य शैक्षिक नियम है कि हर छात्र का सीखने का तरीका और गति अलग होती है, और एआई इसी विविधता को गहरे से समझकर छात्रों के लिए अनुकूलित शैक्षिक वातावरण निर्मित करने में सहायक है। उदाहरण के लिए, एआई का उपयोग छात्रों की जरूरतों के आधार पर अनुकूलित पाठ्यक्रम, एसाइनमेंट और परीक्षा प्रदान करने में किया जा सकता है। यही नहीं, एआई आधारित टूल्स छात्रों की क्षमताओं और कमजोरियों का विश्लेषण करते हुए, उन्हें उनके कमजोर क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देने के लिए सुझाव देते हैं।

प्रो. वीना ठाकुर

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) ने न केवल तकनीकी क्षेत्र में, बल्कि आधुनिक शिक्षा के क्षेत्र में भी अभूतपूर्व परिवर्तन लाए हैं। जैसे-जैसे तकनीकी प्रगति होती जा रही है, वैसे-वैसे एआई शिक्षा में नए आयाम जोड़ता जा रहा है। एआई का उपयोग आज पारंपरिक शिक्षण विधियों से हटकर, छात्रों की सीखने की प्रक्रिया को और अधिक सुलभ, प्रभावी और व्यक्तिगत बनाने में सहायक सिद्ध हो रहा है। अब यह न केवल छात्रों के लिए एक नई दिशा के द्वार खोल रहा है, बल्कि शिक्षकों के लिए भी कार्यक्षमता और दक्षता बढ़ाने का एक साधन बन चुका है। अनादिकाल से ही शिक्षा का उद्देश्य छात्रों को पाठ्यक्रम पढ़ाना भर नहीं रहा है, बल्कि उन्हें जीवन के विभिन्न पहलुओं के लिए तैयार करना भी है। इसके लिए जरूरी है कि शिक्षा प्रणाली लचीली, समावेशी और छात्रों के व्यक्तिगत स्तर पर ध्यान देने वाली हो। एआई की मदद से इस लक्ष्य को हासिल करना अब और भी संभव हो गया है। कालांतर में शिक्षा जगत में एआई आधारित उपकरण और सिस्टम छात्रों के सीखने के अनुभव को बेहतर बना सकते हैं और उन्हें एक नई, प्रभावी और रोचक दिशा में मार्गदर्शन कर सकते हैं। यह संभव ही नहीं, प्रत्यक्ष दिख रहा है। आज एआई का सबसे बड़ा योगदान यह है कि यह व्यक्तिगत शिक्षण को सक्षम बनाता है। सर्वमान्य शैक्षिक नियम है कि हर छात्र का सीखने का तरीका और गति अलग होती है, और एआई इसी विविधता को गहरे से समझकर छात्रों के लिए अनुकूलित शैक्षिक वातावरण निर्मित करने में सहायक है। उदाहरण के लिए, एआई का उपयोग छात्रों की जरूरतों के आधार पर अनुकूलित पाठ्यक्रम, एसाइनमेंट और परीक्षा प्रदान करने में किया जा सकता है। यही नहीं, एआई आधारित टूल्स छात्रों की क्षमताओं और कमजोरियों का विश्लेषण करते हुए, उन्हें उनके कमजोर क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देने के लिए सुझाव देते हैं। इस प्रकार, एआई प्रत्येक छात्र के लिए एक व्यक्तिगत शिक्षण अनुभव बना सकता है, जो उसकी आवश्यकताओं के अनुरूप हो। इसके अलावा एआई के द्वारा छात्रों को स्वचालित ट्यूटरिंग की सुविधा मिलती है। कई एआई प्लेटफॉर्म छात्रों को 24/7 सहायता प्रदान करते हैं, जिससे उन्हें अपनी किसी भी शैक्षिक शंका का समाधान तुरंत मिल जाता है। एआई चालित चैटबोट्स छात्रों के सवालों का उत्तर देने, पाठ्यक्रम से संबंधित सामग्री समझाने और उनकी प्रगति पर नजर रखने का काम करते हैं। इस तरह, विद्यार्थियों को किसी भी समय मार्गदर्शन प्राप्त होता है, जिससे उनके सीखने की प्रक्रिया में निरंतरता-गतिशीलता बनी रहती है। एआई की मदद से वर्तमान शिक्षा की मूल्यांकन प्रक्रिया में भी बदलाव आया है। पारंपरिक तरीके से परीक्षा लेने और उसे मैन्युअली ग्रेड करने की तुलना में एआई आधारित प्रणाली बहुत तेजी और सटीक रूप से मूल्यांकन कर सकती है। एआई का उपयोग कागजी उत्तर पुस्तिकाओं के बजाय डिजिटल परीक्षा पत्रों का मूल्यांकन करने में किया जा सकता है। इससे न केवल समय की बचत होती है, अपितु छात्रों की प्रगति को भी आसानी से ट्रैक किया जा सकता है। एआई छात्रों के उत्तरों का स्वचालित मूल्यांकन करता है और उनके प्रदर्शन के बारे में विस्तृत रिपोर्ट तैयार करता है जो शिक्षकों को छात्रों की सटीक प्रगति समझने में मदद करती है। शिक्षकों के लिए एआई शिक्षा में एक सहायक भूमिका निभाता है।

शिक्षकों के पास विद्यार्थियों के व्यक्तिगत विकास की दिशा में ध्यान देने के लिए बहुत सीमित समय होता है, क्योंकि उन्हें प्रशासनिक कार्यों और अन्य जिम्मेदारियों का भी सामना करना पड़ता है। एआई का उपयोग शिक्षकों को इन कार्यों से मुक्त कर सकता है। उदाहरण के लिए, छात्र की उपस्थिति, ग्रेडिंग और रिपोर्ट जनरेशन जैसी प्रक्रिया को एआई द्वारा स्वचालित किया जा सकता है, जिससे शिक्षक अपना कीमती समय छात्रों के साथ संवाद और व्यक्तिगत मार्गदर्शन देने में व्यतीत कर सकते हैं। यही नहीं, आज स्मार्ट क्लासरूम्स का विचार भी एआई की मदद से साकार हो रहा है। एआई आधारित तकनीकों का उपयोग क्लासरूम के वातावरण को अनुकूलित करने में किया जा सकता है। उदाहरण के लिए क्लासरूम में शोर, तापमान और अन्य कारकों को नियंत्रित करने के लिए एआई का इस्तेमाल किया जा सकता है, ताकि छात्रों को एक आरामदायक और ध्यान केंद्रित वातावरण मिल सके। इसके अलावा, वीडियो, वर्चुअल रियलिटी (वीआर) और ऑगमेंटेड रियलिटी (एआर) जैसी तकनीकों का उपयोग करके शिक्षा को और अधिक आकर्षक और इंटरएक्टिव बनाया जा सकता है। एआई इन सभी तकनीकों का सही तरीके से उपयोग कर, छात्रों को एक गहन, मोहक और अनुभवात्मक शिक्षण अनुभव प्रदान करता है। एआई का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह शिक्षा को और अधिक समावेशी बनाता है। विशेष रूप से विकलांग छात्रों के लिए एआई आधारित तकनीकें अत्यधिक सहायक साबित हो सकती हैं। आज जैसे-जैसे कार्य स्थल पर तकनीकी क्षमताओं की मांग बढ़ी है, इसे देखते हुए एआई का इस्तेमाल छात्रों को इन कौशलों में दक्ष बनाने के लिए किया जा सकता है। एआई के माध्यम से छात्रों को उभरते हुए क्षेत्रों, जैसे डेटा एनालिटिक्स, मशीन लर्निंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स के बारे में ज्ञान दिया जा सकता है, जो भविष्य में उनके करियर के लिए सहायक साबित होगा।

हालांकि, एआई के उपयोग के साथ कुछ चुनौतियां भी जुड़ी हैं। एक बड़ी चुनौती यह है कि एआई के माध्यम से शिक्षा का लाभ केवल उन छात्रों तक सीमित हो सकता है, जो तकनीकी रूप से सक्षम हैं, जिनके पास उच्च गुणवत्ता वाली तकनीकी सुविधाएं हैं। ग्रामीण क्षेत्रों और विकासशील देशों में जहां इंटरनेट और स्मार्टफोन की पहुंच सीमित है, वहां एआई आधारित शिक्षा का प्रभाव कम हो सकता है। एआई द्वारा छात्रों की निगरानी और डेटा संग्रहण से गोपनीयता के मुद्दे भी उत्पन्न हो सकते हैं। छात्रों के व्यक्तिगत डेटा का सुरक्षित और उचित तरीके से उपयोग करना जरूरी है। ऐसे में एआई को केवल सहायक उपकरण के रूप में देखना होगा, न कि शिक्षक के रूप में। शिक्षक की भूमिका हमेशा महत्वपूर्ण रही है और रहेगी भी, क्योंकि एआई के पास मानवीय समझ और भावनाओं की कमी है। एक अच्छा शिक्षक न केवल पाठ्य सामग्री सिखाता है, बल्कि छात्रों को मानसिक और भावनात्मक रूप से भी विकसित करता है। एआई केवल एक साधन है जो इस प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बना सकता है।

सड़क हादसों में मौत को कैसे रोकें?

> संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2021 से 2030 के बीच सडक हादसों से होने वाली मौतों को 50 फीसदी तक कम करने का लक्ष्य तय किया है। भारत सरकार भी इस लक्ष्य को प्राप्त करने की कोशिश कर रही है। इसके लिए नीति तो बनाई गई है, लेकिन उसे कार्यान्वित करने की दिशा में गंभीर प्रयासों की जरूरत है। जागरूकता, जिम्मेदारी का एहसास, जल्दबाजी और नियमों की अनदेखी, इन सभी पर काम होना चाहिए। नागरिकों को खुद जगना होगा और दूसरों को जगाना होगा। हाल ही में यूनिसेफ ने रोड सेफ्टी पर एक वर्कशॉप का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य था सडक सुरक्षा को बच्चों के अधिकार, जनस्वास्थ्य और विकास के मुद्दे के रूप में दोबारा स्थापित करना, साथ ही यह समझना कि मीडिया कैसे व्यवहार में बदलाव, कानूनों के बेहतर पालन में भूमिका निभा सकता है ।

मधुरेंद्र सिन्हा

पंजाब से एक बड़ी दुखद खबर आई है कि भारत के सबसे उम्रदराज धावक फौजा सिंह को एक वाहन ने टक्कर मार दी और उनका निधन हो गया। मैराथन चैंपियन फौजा सिंह 114 साल के थे और उन्होंने सारी दुनिया में भारत की पताका फहराई थी। संगरूर में सुबह घर के बाहर टहलते हुए उनकी मौत हो गई। उन्होंने 100 वर्ष की उम्र में टोरंटो मैराथन जीतकर इतिहास रच दिया था। यह घटना चौंकाने वाली ही नहीं है, बल्कि यह उस भयानक स्थिति की ओर इंगित करती है जिससे आज पूरा भारत जूझ रहा है। भारत अब सडक दुर्घटनाओं का देश हो गया है और हर साल लाख से भी ज्यादा लोग काल कलवित हो रहे हैं। यह बात बहुत हैरान करने वाली है कि भारत में दुनिया के सिर्फ एक प्रतिशत वाहन हैं, लेकिन सडक दुर्घटनाओं में होने वाली मौतें 11 प्रतिशत हैं। पिछले चार सालों में भारत की सडकों पर इतने लोग काल के गाल में समा गए जितनी फिनलैंड की कुल आबादी है। यहां पिछले कई वर्षों से सडक दुर्घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं और अकाल मृत्यु का सबसे बड़ा कारण बन गई हैं। रोड एक्सीडेंट इन इंडिया नामक रिपोर्ट बताती है कि 2018 से 2022 के बीच पांच वर्षों में 7.77 लाख मौतें हुईं। इनमें सबसे ज्यादा 1.08 लाख उत्तर प्रदेश, 84 हजार तमिलनाडु और 66 हजार के साथ महाराष्ट्र तीसरे स्थान पर रहा। केंद्रीय सडक परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने संसद में बताया कि पिछले साल 2024 में लगभग पांच लाख दुर्घटनाएं हुईं जिनमें 1.80 लाख लोगों की मौतें हुईं। इससे भी ज्यादा विचलित करने वाली बात यह है कि हर दिन औसतन 42 बच्चे और 31 किशोर सडकों पर जान गंवा बैठते हैं। सडक पर एक भी बच्चे की मौत एक पूरे परिवार को जीवन भर के लिए अवसाद में डाल देती है और उसके साथ ही उस परिवार के भविष्य पर प्रश्न चिन्ह लग जाता है। मां-बाप अगर उस दुर्घटना में बच गए तो उन्हें जीवन पर यह दुख सालता रहेगा जैसा भारत के पूर्व कप्तान मुहम्मद अजहरुद्दीन के साथ हुआ। उनका बेटा और भतीजा हैदराबाद में तेज रफ्तार से सुपर बाइक चलाते हुए दुर्घटना का शिकार हो गए और उन दोनों की मौत हो गई। एक और ऐसी सडक दुर्घटना हुई जिसके बारे में एक्सपर्ट भी बातें करते हुए और चिंतित हो जाते हैं। उस दुर्घटना में टाटा सन्स के पूर्व चेयरमैन और टाटा मोटर्स के शीर्ष अधिकारी सायरस मिस्त्री की सडक पर ही मौत हो गई। वह एक लग्जरी कार की पिछली सीट पर बैठे हुए थे और कार चल रही थी 150 किलोमीटर की रफ्तार से, जो एक डिवाइडर से जा टकराई। सायरस मिस्त्री ने बेल्ट नहीं बांध रखी थी और वे कार की विंडो से बाहर फेंके गए। यह दुर्घटना एक उदाहरण है कि कैसे भारत में पढ़े-लिखे जानकार लोग भी लापरवाही करते हैं। यहां जागरूकता का सवाल नहीं है। आंकड़े भयावह हैं और हमारे सामने एक आपातकालीन तस्वीर रखते हैं। तेज गति में गाड़ी चलाने से 75.2 प्रतिशत, गलत दिशा में गाड़ी चलाने से 5.8 प्रतिशत, और शराब या नशे के प्रभाव में ड्राइविंग करने से 2.5 प्रतिशत मौतें होती हैं। हादसों में 86 प्रतिशत पुरुष और 14 प्रतिशत महिलाओं की मौत रिकॉर्ड की गई है। 67.2 प्रतिशत मौतें ग्रामीण इलाकों में और 32.2 प्रतिशत शहरी इलाकों में होती हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग (नेशनल हाइवे) हादसों के लिए सबसे अधिक जिम्मेदार हैं। 2022 में हर सौ किलोमीटर पर 45 मौतें दर्ज की गईं। निमहांस/रासी के अनुसार 24 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्रों में हुए हादसों में जान जाती है, जिनमें से 50 प्रतिशत घटनास्थल पर ही दम तोड़ देते हैं। अधिकतर मामलों में सिर या शरीर के निचले हिस्से में चोट लगती है। 82 प्रतिशत घातक सड़क यातायात दुर्घटनाएं बच्चों के साथ हुईं। स्पीड थ्रिल्स बट किल्स की थ्योरी के अनुरूप भारत में बाइक दुर्घटनाओं की तादाद हर दिन बढ़ती जा रही है। उत्साही नौजवान न केवल लापरवाही से दोपहिये चलाते हैं, बल्कि हेलमेट भी नहीं पहनते हैं। इसका नतीजा है कि हर साल ऐसे 10000 चालकों की मौत हो जाती है। एनसीआरबी की 2022 की रिपोर्ट के अनुसार 14 वर्ष तक के 25 प्रतिशत और 14 से 17 वर्ष के 75 प्रतिशत किशोर सडक हादसों के शिकार हुए। दस राज्यों में 40 प्रतिशत बच्चों और किशोरों की सडक हादसों में मौत हुई। सडक हादसों में सबसे ज्यादा मौतें पैदल चलने वालों और दोपहिया सवारों की होती हैं। इनमें 40.7 प्रतिशत दोपहिया चालक, 16.9 प्रतिशत पैदल यात्री भारी वाहनों की चपेट में आए। वहीं 14.1 प्रतिशत कार सवार, 8.8 प्रतिशत ट्रक/लॉरी और 4.5 प्रतिशत तिपहिया (ऑटो रिक्शा) सवार हादसे का शिकार हुए। हमारे आज के बच्चे कल के नागरिक हैं और वे अभी से ही जागरूक तथा नियमों के पालन के लिए कृतसंकल्प हों, यह देश के लिए जरूरी है। उन पर भरोसा करके उन्हें ही सडकों के नियम-कानून बताए और समझाए जाने चाहिए। स्कूलों में दिलचस्प तरीके से इस विषय को पेश किया जाए। स्कूलों में सेफ्टी पार्क वगैरह बनाए जाएं जहां जाकर बच्चे उन्हें देखें और ट्रैफिक के सरल नियम समझें। डब्ल्यूएचओ और यूनिसेफ दुर्घटनाओं को कम करने की दिशा में प्रयास कर रहे हैं। उनका मानना है कि भारत में इतनी ज्यादा मौतों पर सभी को जगना होगा, कानूनों का सख्ती से पालन करना होगा, सडकों को सुरक्षित बनाना होगा और सरकार को ठोस कदम उठाने होंगे। देश में हर दिन 34 किलोमीटर हाईवे बन रहे हैं, लेकिन सडक दुर्घटनाओं से बचने के बारे में वहां पर कोई ठोस समाधान नहीं है। डिजाइन संबंधी बदलाव तो हुए हैं और कुछ काम भी हुए हैं, लेकिन अभी काफी कुछ करना होगा। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2021 से 2030 के बीच सडक हादसों से होने वाली मौतों को 50 फीसदी तक कम करने का लक्ष्य तय किया है। भारत सरकार भी इस लक्ष्य को प्राप्त करने की कोशिश कर रही है। इसके लिए नीति तो बनाई गई है, लेकिन उसे कार्यान्वित करने की दिशा में गंभीर प्रयासों की जरूरत है। जागरूकता, जिम्मेदारी का एहसास, जल्दबाजी और नियमों की अनदेखी, इन सभी पर काम होना चाहिए। नागरिकों को खुद जगना होगा और दूसरों को जगाना होगा। हाल ही में यूनिसेफ ने रोड सेफ्टी पर एक वर्कशॉप का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य था सडक सुरक्षा को बच्चों के अधिकार, जन स्वास्थ्य और विकास के मुद्दे के रूप में दोबारा स्थापित करना, और साथ ही यह समझना कि मीडिया कैसे व्यवहार में बदलाव, कानूनों के बेहतर पालन और सिस्टम के सुधार में अपनी भूमिका और मजबूत कर सकता है।

वर्तमान क्षण में रहो

चिंतन-मनन

श्रीश्री रवि शंकर

हमारी आत्मा की पूर्णता का द्योतक है। क्रोध तो तुम्हारे चैतन्य की एक विकृति मात्र है और यह तुम्हें नीचे की ओर ले जाता है। इसलिए इसे पाप कहा गया है।

परंतु विकार तुम्हारी चेतना पर बहुत उथले रूप से छाए बादलों की भांति है, वे कोई बहुत गहरे नहीं बैठे हैं। भारत में एक पुरानी कहावत है कि पापों को धोने के लिए गंगा में डुबकी लगा लो और जैसे तुम्हारे शरीर से बाहर की धूल-मिट्टी और साबुन धुल जाता है, वैसे ही पाप भी धुल जाएंगे, क्योंकि यह भी सिर्फ ऊपर लगी धूल-मिट्टी के ही समान हैं। हृदय से निकली एक प्रार्थना ही तुम्हें सारे भूतकाल के पापों से मुक्त कराने में पर्याप्त है। तुम्हें अपनी गलती का पता ही तब चलता है, जब तुम निर्दोष हो जाते हो। जब तुम गलती कर चुके हो और उससे बाहर आ जाते हो, तभी तुम्हें उस गलती का ज्ञान होता है। बीते हुए काल में जो गलती तुमसे हुई या और भी जो कुछ हुआ, अब इस वर्तमान क्षण में, तुम अपने को पापी या उस गलती का कर्ता मानकर दुःखी मत होओ। क्योंकि वर्तमान क्षण में तुम फिर से नए, शुद्ध और निष्कलंक हो। भूतकाल की गलतियां भूतकाल के साथ विलीन हो गईं। माताएं प्रायः ऐसा ही करती हैं। वे बच्चों पर बुरी तरह बिगड़ती हैं और उन्हें बुरा-भला कहती हैं और बाद में अपराध भाव से भरकर कहती हैं, ओहो बेचारा, मैंने इस पर इतना क्रोध किया मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था। अब वे बहुत समय तक इसी पश्चाताप में घिरी रहती हैं और पश्चाताप के कारण वे अपने को फिर से क्रोध करने के लिए तैयार कर लेती हैं। ठीक है, जीवन में कभी-कभी क्रोध के क्षण भी आते हैं। तुमसे क्रोध तभी होता है, जब तुम्हारी चेतना जाग्रत नहीं होती। अब ऐसा हो गया तो हो गया, बस भूल जाओ अब खत्म। अब, इस समय इस वर्तमान क्षण में रहो, जाग्रत हो जाओ। बस। कृष्ण भी अर्जुन से यही कहते हैं, अर्जुन! तुम सोचते हो, तुम वह नहीं करोगे, जो तुम्हें करना चाहिए? मैं कहता हूं यद्यपि तुम न भी चाहो तो भी तुम वही करोगे। कृष्ण बड़ी चतुराई से कहते हैं, उचित तो यही है कि तुम स्वयं को मेरे प्रति समर्पण कर दो। सब कुछ छोडकर मुझे समर्पित हो जाओ और जैसे मैं कहता हूं, वैसे ही करो। फिर कहते हैं, मैंने जो भी तुम्हें समझाना था, कहना था, कह दिया। अब तुम स्वयं सोचो और जो भी तुम्हें ठीक लगे, वैसा ही करो। फिर साथ ही कृष्ण कहते हैं, परंतु याद रखो, तुम करोगे वही, जो मैं चाहता हूं। कृष्ण के इन अंतिम वाक्यों से लोग बहुत उलझन में पड़ गए। इसका अर्थ करने के लिए सैकड़ों समीक्षाएं की गई हैं।

आपके पत्र

रोकने होंगे साइबर क्राइम के बढ़ते कदम

जिस गति से साइबर क्राइम बढ़ रहा है, यह आम आदमी के लिए एक मुसीबत बन गई है और लुटेरों के लिए जैसे मनोरंजन और लॉटरी लगी है। हैरानी इस बात की है कि इस मर्ज की दवा किसी के पास नहीं। किसी को जब चाहें, अपराधी बंधक बना कर सब कुछ लूट लेते हैं और उनका कुछ भी बिगाड़ नहीं सकते। देश में बड़ी संख्या में लोग इस क्राइम के शिकार हो रहे हैं। यह अत्यंत गंभीर समस्या है और इससे आंख नहीं फेरी जा सकती।

जहां डिजिटलाइजेशन के अनेक लाभ हैं, इससे कई गुणा हानियां भी हैं। द्वंद्व यह है कि इसे अपनाएं या नहीं? इस पर सभी को गंभीरता एवं शीघ्रता से समाधान निकालना होगा। आज नहीं तो कल हर कोई इसका शिकार होगा। यह एक चुनौती भी है। सभी को सचेत रहना होगा।

जगत सिंह

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

362198 श्रद्धालुओं ने किया बाबा पर जलाभिषेक

देवघर : राजकीय श्रावणी मेला, 2025 के दूसरे सोमवारी को श्रद्धालुओं की कतार कुमैठा स्टेडियम तक पहुँची, जिसके पश्चात अहले सुबह 04:07 बजे से जलार्पण शुरू हुआ। इसके अतिरिक्त जलार्पण करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 3,62,198 है। साथ ही बाह्य अर्घा के माध्यम से 1,66,985, आंतरिक अर्घा से 1,95,213 श्रद्धालुओं ने जलार्पण किया।

153002 श्रद्धालुओं ने किया बासुकीनाथ में जलाभिषेक

बासुकीनाथ : श्रावणी मेला के 11 वें दिन शाम 7 बजे तक 1,53,002 श्रद्धालुओं ने बाबा बासुकीनाथ पर जलार्पण किया।सामान्य रुट लाइन से 1,26,965,शीघ्र दर्शनम से 4667 एवं जलार्पण काउंटर से 20480 श्रद्धालुओं ने जलार्पण किया एवं 890 डाक बम श्रद्धालुओं ने जलार्पण किया साथ ही शीघ्र दर्शनम से 14,00,100 रुपये,गोलक से 1,74,350 एवं अन्य स्त्रोत से 5068 रुपए प्राप्त हुए।

उपायुक्त ने किया टेंट सिटी का निरीक्षण

बासुकीनाथ : सावन की दूसरी सोमवारी के अवसर पर जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने बासुकीनाथ धाम स्थित टेंट सिटी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वहाँ ठहरे श्रद्धालुओं से बातचीत कर व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। श्रद्धालुओं ने व्यवस्था को लेकर संतोष जताते हुए जिला प्रशासन एवं राज्य सरकार को धन्यवाद दिया।

टेंट सिटी में श्रद्धालुओं के सुचारु आवासन हेतु सभी आवश्यक सुविधाएँ सुनिश्चित की गई हैं। यहाँ शुद्ध पेयजल, पर्याप्त शौचालय, स्वच्छता, मोबाइल चार्जिंग यूनिट, पंखे और रोशनी की समुचित व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है। टेंट सिटी को इस प्रकार डिजाइन किया गया है कि यह हवादार और सुरक्षित रहे, ताकि श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के विश्राम कर सकें।

उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि टेंट सिटी की व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की कोताही न हो और सभी आवश्यक सेवाएं 24 घंटे उपलब्ध रहे। उन्होंने यह भी कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा ही प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए श्रद्धालुओं ने कहा कि बासुकीनाथ में अब यात्रा अधिक सहज और सुरक्षित हो गई है।

बरसात होते ही पहाड़ का पानी उतरते ही मार्ग खराब हो जाता है : शिव भक्त

साहिबगंज : प्राकृतिक संस्थाधनों हरे भरे पहाड़ों झरनों गंगा और ऐतिहासिक धरोहर से सजा हमारा जिला है। तालझारी प्रखंड क्षेत्र स्थित मोतीझरना में प्रत्येक वर्ष लाखों श्रद्धालु घूमने पूजन करते है। लाखों खर्च करके मोतीझरना को आकर्षक बनाया जाता है। लेकिन मोतीझरना आने जाने वाले मार्ग पर आज तक ध्यान नहीं दिया गया। बरसात होते ही पहाड़ का पानी उतरते ही मार्ग खराब हो जाता है। सड़क किनारे पहाड़ी पानी को रोकने के लिए नाला का निर्माण नहीं किया गया है। जिससे मानसून के समय शिव भक्तों ओर पर्यटकों को आने जाने में परेशानी होती है। बोरियो प्रखंड क्षेत्र स्थित बोंगाकोचा झरना पहाड़ वहां भी शिव भक्त पर्यटक आते है। लेकिन आने जाने वाला मार्ग बढ़िया नहीं रहने से लोगों को परेशानी होती है। अपना शहर के बड़ी झरना चर्च के ऊपर जाने पर झरना का जबरदस्त नजारा देखने को मिलता है।आने जाने का मार्ग बना दिया जाए तो यहां भी पर्यटक आएंगे। प्रत्येक दिन युवाओं की टोली ट्रैकिंग कर के पत्थर चट्टान पार कर के उस जगह जाकर झरना का आनंद लेती है।

डीएस ने सदर अस्पताल का किया निरीक्षण

साहिबगंज : डीएस ने सदर अस्पताल का निरीक्षण किया निरीक्षण के कारण उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों से उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी प्राप्त की। और मरीजों से पूछताछ की की उन्हें सही समय पर स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा उपचार दिया जा रहा है या नहीं। इसी दौरान स्वास्थ्य कर्मियों को मरीजों को बिस्तर को बदलने का निर्देश देते हुए कहा कि एक ही वार्ड में महिला और पुरुष रहते हैं इससे काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है महिला पुरुष वार्डन को अलग करने की जल्द से जल्द व्यवस्था की जा रही है जिससे महिलाओं को सुविधा मिलेगी। फिर उन्होंने पूरे सदर अस्पताल परिसर में सफाई व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए सफाई कर्मियों को निर्देश दिया कि समय-समय पर सदर अस्पताल वादों की साफ सफाई करते रहें शौचालय किसी भी परिस्थिति में गंदा नहीं रहना चाहिए।

दूसरी सोमवारी पर बाबा नगरी बासुकीनाथ में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

संवाददाता

बासुकीनाथ : सावन माह की दूसरी सोमवारी को लेकर बाबा नगरी बासुकीनाथ धाम में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। श्रद्धालु ह्यहर हर महादेवह्व के जयघोष के साथ शिवगंगा में आस्था की डुबकी लगाकर बाबा बासुकीनाथ पर जलार्पण हेतु कतारबद्ध दिखाई दिए।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और निर्बाध दर्शन व्यवस्था को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा एवं पुलिस अधीक्षक पीताम्बर सिंह खेरवार द्वारा रुट लाइन का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों एवं अन्य संबंधित कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उपायुक्त श्री सिन्हा ने प्रतिनियुक्त अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी परिस्थिति में अपना ड्यूटी स्थल नहीं छोड़ें। श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा एवं विधि व्यवस्था प्राथमिकता होनी चाहिए। किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या आपात स्थिति उत्पन्न न हो, इसका विशेष ध्यान रखें।निरीक्षण के दौरान उपायुक्त श्री सिन्हा ने रुट लाइन पर मौजूद श्रद्धालुओं से बातचीत की। श्रद्धालुओं ने प्रशासनिक व्यवस्था की सराहना करते हुए बताया कि उन्हें दर्शन में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं हुई तथा व्यवस्था में लगे कर्मियों का व्यवहार अत्यंत सहयोगात्मक और सराहनीय रहा। तपती गर्मी को देखते हुए उपायुक्त ने संपूर्ण रुट लाइन में नियमित अंतराल पर पानी का छिड़काव कराने का निर्देश दिया, जिससे नंगे पांव चल रहे श्रद्धालुओं को राहत मिल सके।

शिवगंगा में बढ़ती श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए उपायुक्त ने निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं की हर गतिविधि पर निगरानी रखी जाए तथा कतार में खड़े न हो सकने वाले श्रद्धालुओं को जलार्पण काउंटर के माध्यम से जल चढ़ाने हेतु प्रोत्साहित किया जाए। इससे भीड़ का बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सकेगा।

सावन में श्रद्धालुओं की सेवा में तत्पर स्वास्थ्य विभाग की टीम

संवाददाता

बासुकीनाथ : श्रावणी मेला 2025 के पावन अवसर पर लाखों श्रद्धालु कठिन यात्रा कर बाबा बासुकीनाथ का जलार्पण करने पहुँच रहे हैं। श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ और उनकी आस्था का सम्मान करते हुए स्वास्थ्य विभाग पूरी तत्परता के साथ सेवा में जुटा हुआ है।सावन की दूसरी सोमवारी को लेकर स्वास्थ्य विभाग की टीम देर रात्रि से ही अपने-अपने कर्तव्य स्थल पर उपस्थित रही, ताकि किसी भी आपात स्थिति से तुरंत निपटा जा सके। कठिन यात्रा कर आने वाले श्रद्धालुओं को अक्सर थकावट, चक्कर आना, डिहाइड्रेशन, बुखार जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग की टीम संवेदनशीलता और सेवा-भाव से उन्हें हर संभव सहायता प्रदान कर रही है। मौके पर उपस्थित जरमुंडी प्रखंड के

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ सुनील कुमार सिंह ने बताया कि बाबा नगरी बासुकीनाथ धाम आए श्रद्धालुओं की सेवा ही स्वास्थ्य विभाग का सर्वोच्च प्राथमिकता है.मेला क्षेत्र में पर्याप्त संख्या में स्वास्थ्य शिविर लगाए गए हैं, जहाँ प्राथमिक उपचार, निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं जीवन रक्षक दवाइयाँ उपलब्ध कराई जा रही हैं। साथ ही हर शिविर में योग्य चिकित्सकों की प्रतिनियुक्ति की गई है जो निरंतर ड्यूटी पर तैनात हैं। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ सुनील ने आगे बताया किभीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों और आपात स्थितियों को ध्यान में रखते हुए एम्बुलेंस के साथ-साथ बाइक एम्बुलेंस की भी व्यवस्था की गई है, जिससे श्रद्धालुओं को जरूरत पड़ने पर त्वरित रूप से स्वास्थ्य केंद्र तक पहुँचाया जा सके।

साहिबगंज रेलवे स्टेशन परिसर से आरोपी प्रताप महतो गिरफ्तार

संवाददाता

साहिबगंज : नगर थाना पुलिस ने साइबर ठगी के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है।अनुमंडल कार्यालय स्थित अपने कार्यालय में सदर एसडीपीओ किशोर तिर्की ने बताया कि 29 मई को जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के छोटा पचगढ़ निवासी सुरेश रामानी का मोबाइल नगर थाना अंतर्गत गांधी चौक से गुम हो गया था।वादी ने गुम हुए मोबाइल नंबर को पुनः चालू कराया एवं अपना फोन पे नंबर बनाया तो उन्हें जानकारी हुई कि उनके फोन पे के खाते से करीब 60000 की अवैध निकासी हो गई है।साथ ही उन्हें उनके खाते से एक लोन की ईएमआई के बकाया होने की जानकारी भी मिली।वादी ने इस संबंध में 4 जुलाई को नगर थाना में आवेदन देकर शिकायत दर्ज कराई।जिसके आधार पर थाना कांड संख्या 90/25 दर्ज कर

पुलिस कांड के उद्भेदन में जुट गई।एसपी ने सदर एसडीपीओ किशोर तिर्की के नेतृत्व में एक छापामारी टीम का गठन कर कांड के अनुसंधान और गुप्त सूचना तकनीकी साक्ष्य के आधार पर छापामारी टीम ने साहिबगंज रेलवे स्टेशन परिसर से एक आरोपी प्रताप महतो को गिरफ्तार कर लिया। प्रताप महतो 38 तालझारी थाना क्षेत्र अंतर्गत महाराजपुर के नया टोला का रहने वाला है।उसकी निशानदेही पर वादी का गुम हुआ मोबाइल फोन एवं लोन लेने में प्रयुक्त मोबाइल नंबर व मोबाइल फोन बरामद किया गया है।आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।आरोपी का आपराधिक इतिहास भी रहा है।उसके ऊपर तालझारी थाना में कांड संख्या 56/21 दर्ज है।छापामारी दल में नगर थाना इंस्पेक्टर अमित कुमार गुप्ता,पुअनि प्रवीण कुमार प्रभाकर,अनीश पांडे,बरहेट थाना पुअनि विजय रामानी,तालझारी थाना पुअनि अनिल कुमार शामिल थे।

मानव तस्करी से कोई घटना हो तो सूचित करें : आरपीएफ

साहिबगंज : मालदा रेल खंड अंतर्गत राजमहल रेलवे स्टेशन में विश्व मानव तस्करी विरोध दिवस के उपलक्ष में जस्ट राइट फॉर चाइल्ड के निर्देशानुसार मंथन संस्था एवं आरपीएफ पुलिस राजमहल स्टेशन परिसर में जागरूकता कार्यक्रम किया गया।संस्था के सामुदायिक सामाजिक कार्यकर्ता अंशु मालाकार एवं आरपीएफ पुलिस द्वारा सभी यात्रियों को मानव तस्करी के खिलाफ जागरूक किया गया। मानव तस्करी से संबंधित कई सारी बातें बताई गई।यात्रियों के बीच यह भी बताया गया कि अगर मानव तस्करी से संबंधित कोई भी घटना अगर उनके संज्ञान में आती है, तो टोल फ्री नंबर 1098 पर संपर्क कर अपने शिकायत दर्ज करना सुनिश्चित करें।जहां उनका नाम एवं पता गोपनीय रखा जाएगा।

सड़क कटाव से आवागमन बाधित जेई ने किया निरीक्षण

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : प्रखंड में विगत कई दिनों से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से गुमानी नदी के उफान के कारण दरियापुर से बिनोदपुर जाने वाली पीसीसी सड़क के ऊपर से जल बहाव के कारण जगह-जगह टूट जाने के कारण सड़क में कटाव की स्थिति हो गई है।स्थानीय ग्रामीणों को आवागमन में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।पाकुड़ विधायक निसात आलम के निर्देश पर सोमवार को आरईओ.विभाग के जुनियर

इंजीनियर मुकेश कुमार एवं कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने स्थानीय ग्रामीण एवं कार्यकताओं के साथ स्थल का निरीक्षण किया एवं विधायक को वस्तुस्थिति की जानकारी दी गई।विधायक ने अग्रेत्तर कार्रवाई हेतु प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए विभाग को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

अभ्यर्थियों ने बीच बचाव कर इमरान को पकड़ कर पुलिस के हवाले किया

साहिबगंज : नगर थाना क्षेत्र के टॉकीज फील्ड ग्राउंड में कुश्ती कबड्डी का अभ्यास कर रहे अभ्यार्थियों के साथ कुछ युवक का विवाद हो गया। जिसमें एक युवा के मो. इमरान ने अभ्यास कर रहे लालू यादव के साथ गाली गलौज करने लगा लालू ने जब विरोध किया तो इमरान ने लाल के के साथ मारपीट शुरू कर दी। फिर सभी अभ्यर्थियों ने बीच बचाव कर इमरान को पड़कर नगर पुलिस के हवाले कर दिया।

अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी के न्यायालय में तीन आरोपियों ने किया आत्मसमर्पण

संवाददाता

साहिबगंज : 30 जून को सिदो-कान्हू की जन्म स्थली बरहेट के भोगनाडीह में प्रशासनिक कार्यक्रम के दौरान हुए उपद्रव मामले में सोमवार को सिदो-कान्हू के वंशज मंडल मुर्मू के साथ कई अन्य सरेंडर करने कोर्ट पहुंचे हैं।जहां कोर्ट ने सिदो कान्हू के वंशज मंडल मुर्मू को लौटा दिया।कोर्ट ने बरहेट थाना में दर्ज कांड संख्या 103 व 104 में सभी को छोड़ दिया।जबकि कांड संख्या 102 में 3 लोगों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया।दरअसल हूल दिवस के अवसर पर भोगनाडीह में आयोजित समारोह स्थल पर सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने व जानलेवा हमला करने के मामले में तीन आरोपियों ने अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी के न्यायालय में आत्मसमर्पण किया।जिन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है तथा जमानत की सुनवाई हेतु जख्म प्रतिवेदन की मांग की गई है।यह मामला बरहेट प्रखंड विकास पदाधिकारी अंशु कुमार ने पांच नामजद व अन्य अज्ञात के विरुद्ध दर्ज कराया था।इस मामले में चुन्नू राम बेसरा,वेटका मुर्मू,नरसिंह मरांडी,सुधीर

कुमार एवं बाबूजी हेंब्रम उर्फ रमेश हेंब्रम न्यायिक हिरासत में जेल में बंद हैं।वहीं रुपचंद्र मुर्मू के गाली-गलौज एवं जान से मारने की धमकी देने के संबंध में दर्ज कराए गए मामले में शिवचरण हांसदा,टीका हांसदा,सुशील बेसरा, मंडल मुर्मू व मनोज हांसदा को आत्मसमर्पण करने के बाद जमानत प्रदान की गई है।वहीं बरहेट के प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी प्रकाश सोरेन की ओर से 27 से 28 जून तक हूल दिवस समारोह में बाधा उत्पन्न करने को लेकर दर्ज कराए गए केस में चंद्र मोहन हांसदा, बेंजामिन मालती,बबलू हांसदा,मुंशी हांसदा,सन्नी मरांडी एवं मनोज मुर्मू को आत्मसमर्पण के बाद जमानत प्रदान किया है।बेंजामिन हांसदा,बबलू हांसदा,चंद्र मोहन हांसदा दूसरे केस में जेल में ही रहेगा।ज्ञात हो कि इसके पूर्व विधि व्यवस्था बिगाड़ने के मामले में पुलिस प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए बरहेट थाना में कांड संख्या 103/25 दर्ज कर बरहेट थाना क्षेत्र के तलबड़िया ग्राम प्रधान बेटका मुर्मू,बोरियो थाना क्षेत्र के पथरा ग्राम प्रधान नरसिंह मरांडी एवं गोड्डा जिला के बोआरीजोर निवासी चुनाराम बेसरा को गिरफ्तार किया था।उनके विरुद्ध नेतृत्व कर भीड़ को उकसाने का आरोप था।

क्या था मामला

हूल दिवस पर कार्यक्रम को लेकर सिदो कान्हू हूल फाउंडेशन व अतु मांझी वैसी संस्था के तले विरोध चल रहा था।इसका नेतृत्व फाउंडेशन अध्यक्ष सह सिदो-कान्हू के वंशज मंडल मुर्मू कर रहे थे।इस दौरान 30 जून को सिदो-कान्हू पार्क में लगे ताला को खोलने को लेकर प्रशासन के साथ उत्पन्न हुए विवाद के बाद वहां उपद्रव हो गया।जिसके बाद पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े और लाठियां भांजनी पड़ी थीं।पुलिस के अनुसार उपद्रव में बरहरवा एसडीपीओ नितिन खंडेलवाल व जैप-09 का एक जवान घायल हुए थे।

मोहित सूरी की सैयारा पर नकल का आरोप

मोहित सूरी की हाल ही में रिलीज हुई फिल्म सैयारा को लेकर जबरदस्त क्रेज देखने मिल रहा है। रिलीज के चौथे दिन ही कमाई के मामले में फिल्म ने वर्ल्ड वाइड 100 करोड़ रुपए का आंकड़ा पार कर लिया है। इन सबके बीच इंटरनेट यूजर्स फिल्ममेकर पर नकल का आरोप लगा रहे हैं। उनका कहना है कि ये फिल्म साल 2004 में आई कोरियन फिल्म ए मोमेंट टू रिमेंबर की कॉपी है। रेडिट और एक्स यूजर का दावा है कि सैयारा और 2004 की कोरियन फिल्म ए मोमेंट टू रिमेंबर के बीच काफी समानताएं हैं। दोनों फिल्मों की कहानी काफी मिलती-जुलती है।

मोहित सूरी की फिल्म सैयारा एक गुस्सैल म्यूजिशियन कृष कपूर (अहान पांडे) और एक जर्नलिस्ट वाणी (अनीत पड्डा) की प्रेम कहानी है। फिल्म में वाणी को अल्जाइमर का पता चलता है। वाणी इस रिश्ते को छोड़ना चाहती है, जबकि कृष उसके साथ रहना चाहता है। साल 2004 में सोन ये-जिन और जंग वू-सुंग स्टारर कोरियन फिल्म ए मोमेंट टू रिमेंबर की भी कहानी भी ऐसी ही है।

सुपरस्टार को पछाड़ अमिताभ बच्चन बने टीवी के सबसे महंगे होस्ट, एक एपिसोड के लिए चार्ज की 5 करोड़ फीस

महानायक अमिताभ बच्चन ना सिर्फ अपनी दमदार एक्टिंग और बेहतरीन होस्टिंग के लिए जाने जाते हैं, बल्कि अब उन्होंने एक नया कीर्तिमान भी स्थापित कर दिया है। इस बार उन्होंने शो कौन बनेगा करोड़पति 17 के एक एपिसोड के लिए जो फीस चार्ज की है, उसने सभी को हैरान कर दिया है। इस मामले में एक्टर ने बॉलीवुड के अन्य सुपरस्टार्स को भी पछाड़ दिया है और टीवी के सबसे महंगे होस्ट बन गए हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स, अमिताभ बच्चन कौन बनेगा करोड़पति 17 के हर एपिसोड के लिए करीब 5 करोड़ रुपये चार्ज कर रहे हैं। यानी अगर शो सप्ताह में 5 दिन प्रसारित होता है तो उनकी साप्ताहिक कमाई लगभग 25 करोड़ रुपये हो जाएगी। इस भारी-भरकम फीस के चलते बिग बी इस समय टीवी के सबसे ज्यादा फीस लेने वाले होस्ट बन चुके हैं।

अमिताभ बच्चन की यह फीस उन्हें सुपरस्टार सलमान खान से भी ऊपर ले गई है, जो अब तक टीवी के सबसे महंगे होस्ट माने जाते थे। रिपोर्ट्स के अनुसार, सलमान खान को ह्यबिग बॉस ओटीटी 2 के वीकेंड का वार एपिसोड के लिए लगभग 12 करोड़ रुपये प्रति एपिसोड की फीस दी गई थी। उस हिसाब से उनकी साप्ताहिक कमाई 24 करोड़ रुपये के करीब थी। अब

अमिताभ बच्चन की यह फीस उन्हें सुपरस्टार सलमान खान से भी ऊपर ले गई है, जो अब तक टीवी के सबसे महंगे होस्ट माने जाते थे। रिपोर्ट्स के अनुसार, सलमान खान को ह्यबिग बॉस ओटीटी 2 के वीकेंड का वार एपिसोड के लिए लगभग 12 करोड़ रुपये प्रति एपिसोड की फीस दी गई थी।

बिग बी की 25 करोड़ साप्ताहिक कमाई ने उन्हें इस लिस्ट में टॉप पर पहुंचा दिया है।

कब होगा शो का प्रीमियर? : कौन बनेगा करोड़पति 17 की रिलीज डेट भी घोषित कर दी है। कौन बनेगा करोड़पति 17 का प्रसारण 11 अगस्त 2025 से शुरू होगा।

बिग बॉस 19 भी अगस्त में होगा शुरू: इधर सलमान खान का चर्चित शो बिग बॉस 19 भी जल्द शुरू होने वाला है। यह शो अगस्त के आखिरी हफ्ते में ऑन एयर किया जाएगा।

वर्ल्ड टेस्अ चैंपियनशिपः क्रिकेट में दो-डिवीजन सिस्टम की संभावन

एजेंसी/सिंगापुरः टेस्ट क्रिकेट में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2027 से 2-टियर सिस्टम लागू हो सकता है। इसके लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सोमवार को एनुअल जनरल मीटिंग (एजीएम) में आठ सदस्यीय टीम बनाई है। इस समिति की अध्यक्षता आईसीसी के नए सीईओ संजोग गुप्ता कर रहे हैं। टेस्ट टियर सिस्टम में मौजूदा नौ टीमों की जगह छह-छह टीमों की दो डिवीजन बनाई जाएंगी। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया पहले से इस फॉर्मेट के समर्थन में रहे हैं और चाहते हैं कि ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और भारत आपस में हर तीन साल में दो बार भिड़ें, जो मौजूदा चार साल में दो बार की तुलना में अधिक है। 2009 से 2014 के बीच खेले जाने वाली चैंपियंस लीग टी-20 अगले साल से दोबारा शुरू हो सकती हैं।

चैंपियंस लीग टी-20 की हो सकती है वापसीः करीब 10 साल बाद चैंपियंस लीग टी-20 (सीएलटी-20) टूनामेंट एक बार फिर लौट सकता है। आईसीसी इस अंतरराष्ट्रीय क्लब आधारित टी-20 प्रतियोगिता को फिर से शुरू करने पर गंभीरता से विचार कर रहा है। भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के क्रिकेट बोर्डों ने इस विषय में चर्चा की है और एजीएम में कई अहम सदस्य देशों से इस प्रस्ताव को समर्थन भी मिला है। पिछली बार यह टूर्नामेंट 2014 में भारत में हुआ था, जहां चेन्नई सुपर किंग्स ने फाइनल में कोलकाता नाइट राइडर्स को हराकर खिताब जीता था।

कबीर बहिया संग कृति का वेकेशनः क्रूज पर कपल ने बिताए रोमांटिक पल

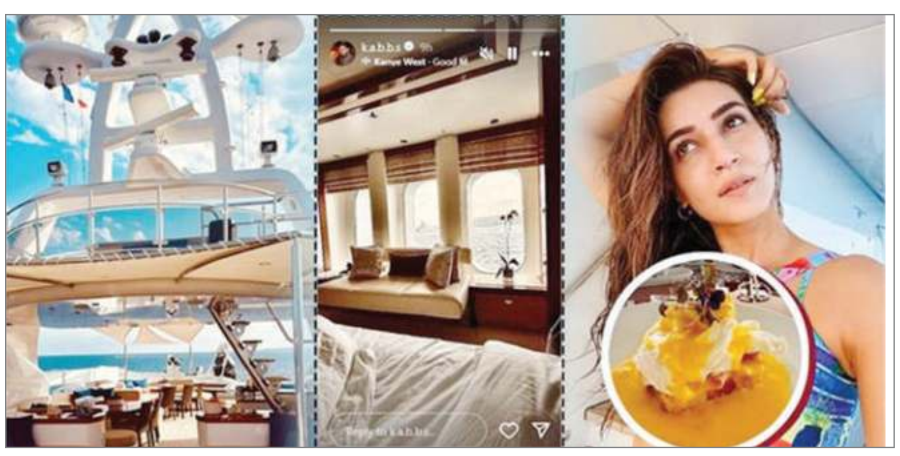

बॉलीवुड एक्ट्रेस एक्ट्रेस कृति सेनन इन दिनों वेकेशन एंजॉय कर रही हैं। कृति अकेले नहीं बल्कि कथित बॉयफ्रेंड कबीर बहिया के साथ सेंट ट्रोपे में क्रूज वेकेशन मना रही हैं। उनकी हालिया इंस्टाग्राम एक्टिविटी तो कुछ ऐसा ही इशारा कर रही है।

इन फोटोज में कृति एक कलरफुल बिकिनी में नजर आईं, जिसमें उनका चिल और ग्लैमरस अंदाज साफ झलक रहा था।उन्होंने न सिर्फ अपने लुक की झलक दिखाई, बल्कि क्रूज पर मिलने वाले लजीज खाने, समुद्री नजारों, और क्रूज के शानदार माहौल की भी कुछ झलकियां शेयर कीं।

वहीं कबीर बहिया ने भी इंस्टाग्राम पर अपने वेकेशन की झलक दिखाई है।

उनकी तस्वीरें हिंट दे रही हैं कि वो भी क्रूज वेकेशन पर हैं और कृति सेनन के साथ एंजॉय कर रहे हैं हालांकि, कृति और कबीर ने अपनी फोटोज में एक-दूसरे को नहीं दिखाया लेकिन सेम प्लेस से फोटोज देखकर सोशल मीडिया पर डेटिंग की अफवाह फैल गई है।

प्रोफेशनल फ्रंट पर कृति सेनन ने हाल ही में अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म तेरे इश्क में की शूटिंग पूरी की है। इस खुशी को शेयर करते हुए कृति ने इंस्टाग्राम पर एक कुछ बीटीएस (बिहाइंड द सीन) तस्वीरें शेयर की थीं।

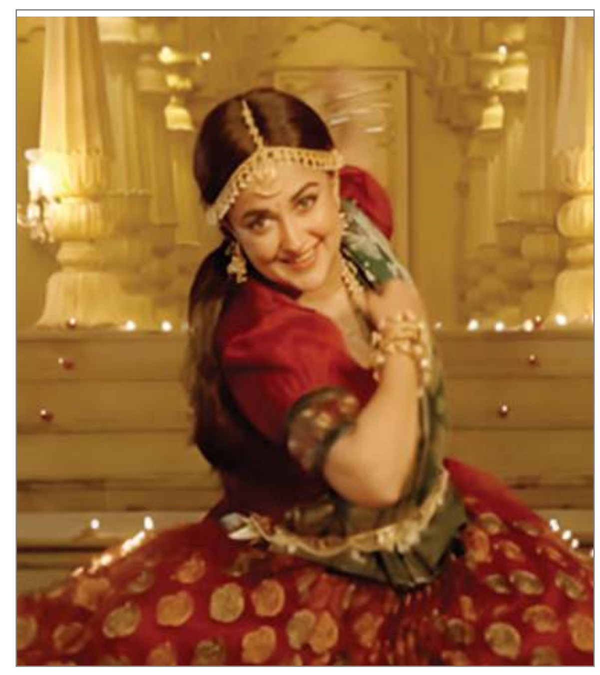

गायिका ही नहीं, भरतनाट्यम में भी ट्रेंड हैं मोनाली ठाकुर

म्मोनाली ठाकुर बेहतरीन आवाजों में से एक हैं, जिन्हें भारतीय संगीत में बेहद पसंद किया जाता है। उनकी सुरीली आवाज और उनके अंदाज ने हमेशा से ही लोगों का दिल जीता है। हाल ही में अपने यूएस टूर के दौरान भी उन्होंने दर्शकों को अपना दीवाना बना लिया और उन्हें 90 के दशक के सुनहरे नगमों की खूबसूरत यादों में ले गईं। फिल्मों के गाने हों, म्यूजिक वीडियो या फिर लाइव परफॉर्मेंस, मोनाली ने हमेशा अपने टैलेंट और अंदाज से सबका दिल जीता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि शानदार गायिका होने के साथ-साथ मोनाली एक ट्रेंड भरतनाट्यम डांसर भी हैं? हां, जैसे हम सब मोनाली की गायिकी को हमेशा पसंद करते रहे हैं, वैसे ही उनका हुनर सिर्फ गाने तक नहीं रुका है। वो एक ट्रेंड भरतनाट्यम की डांसर भी हैं, जो उनकी कई खूबियों को दिखाता है। ये जानकर अब उन्हें डांस करते देखने का इंतजार और भी बढ़ गया है। मोनाली को उनकी बेहतरीन गायिकी के लिए कई अवॉर्ड मिल चुके हैं, लेकिन सबसे बड़ा सम्मान उन्हें दम लगा के हईशा के गाने मोह मोह के धागे के लिए बेस्ट फीमेल प्लेबैक सिंगर का नेशनल अवॉर्ड मिलकर मिला। इसके अलावा उन्होंने ह्यसवार लूं , छम छम , बद्री की दुल्हनिया जैसे कई शानदार गाने भी गाए हैं। मोनाली ठाकुर एक बेहतरीन प्लेबैक सिंगर हैं, जिन्होंने हिंदी, बंगाली, तमिल और कन्नड़ समेत कई भाषाओं में ढेर सारे गाने गाए हैं।

दी बंगाल फाइल्स ने न्यू जर्सी में किया धमाका, पहला प्रीमियर बना चर्चा का विषय

फिल्ममेकर विवेक रंजन अग्निहोत्री की आने वाली फिल्म दी बंगाल फाइल्स का टीजर जब रिलीज हुआ था, तो उसने दर्शकों को चौंका दिया था। अब इस फिल्म ने न्यू जर्सी, यूएसए में अपने पहले शानदार प्रीमियर के साथ वहां हलचल मचा दी है। जैसा पहले ही बताया गया था, दी बंगाल फाइल्स की भारत में बड़ी रिलीज से पहले इंटरनेशनल प्रीमियर होंगे, जिसकी शुरूआत बड़े यूएसए टूर से हुई है। न्यू जर्सी में हुए पहले प्रीमियर में लोग ताली बजाते रहे, चीख पड़े, रो पड़े क्योंकि इस आंखें खोल देने वाली फिल्म में दिखाए गए सच ने उन्हें अंदर तक झकझोर दिया। अपने सोशल मीडिया पर विवेक रंजन अग्निहोत्री ने ऑडियंस के रिएक्शंस की झलकियां शेयर कीं, जिसमें साफ दिखा कि इस कड़वी, चौंकाने वाली और अब तक अनकही कहानी डायरेक्ट एक्शन डे को देखकर लोग कितने भावुक हो गए। ये वही कहानी है जो एक बड़ा सवाल उठाती है, क्या बंगाल भी कश्मीर बनने की कगार पर है? द बंगाल फाइल्स के 11 बड़े प्रीमियर का अमेरिका में शेड्यूल इस तरह रहेगाः 19 जुलाई को न्यू जर्सी में, 20 जुलाई को वॉशिंगटन डीसी में, 25 जुलाई को रैले में, 26 जुलाई को अटलांटा में, 27 जुलाई को टैम्पा में, 1 अगस्त को फीनिक्स में, 2 अगस्त को लॉस एंजिलिस में, 3 अगस्त को एसएफ बे एरिया में, 7 अगस्त को डेट्रॉयट में, 9 अगस्त को शिकागो में और 10 अगस्त को ह्यूस्टन में प्रीमियर होगा।

भारतीय जूनियर मिक्स्ड बैडमिंटन टीम एशियन चैंपियनशिप से बाहर

एजेंसी —सोलो (इंडोनेशिया): भारत की जूनियर टीम को सोमवार को यहां बैडमिंटन एशिया जूनियर मिश्रित टीम चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पूर्व चैंपियन जापान से 104-110 से करीबी हार का सामना करना पड़ा। रिले स्कोरिंग प्रणाली के तहत खेली जा रही इस प्रतियोगिता के बेहद करीबी मुकाबले में भारत ने पहले मैच में 11-9 से मिली हार के बाद शानदार वापसी की। भारत की जूनियर टीम को सोमवार को यहां बैडमिंटन एशिया जूनियर मिश्रित टीम चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पूर्व चैंपियन जापान से 104-110 से करीबी हार का सामना करना पड़ा। रिले स्कोरिंग प्रणाली के तहत खेली जा रही इस प्रतियोगिता के बेहद करीबी मुकाबले में भारत ने पहले मैच में 11-9 से मिली हार के बाद शानदार वापसी की। भारत ने मुकाबले के अधिकांश समय बढ़त बनाए रखी, लेकिन 2023 के चैंपियन जापान ने अंतिम पांच मैच जीतकर बढ़त बना ली। इनमें से अधिकतर मैच बेहद रोमांचक रहे। भारत ने हॉन्गकॉन्ग, चीन, संयुक्त अरब अमीरात और श्रीलंका पर जीत के साथ ग्रुप डी में शीर्ष स्थान हासिल किया था। इस प्रतियोगिता की व्यक्तिगत चैंपियनशिप 23 जुलाई से शुरू होगी।

इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट से पहले भारत के लिए बुरी खबर, नीतीश रेड्डी टेस्ट सीरीज से बाहर

इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट में ध्रुव जुरेल को मिल सकता है मौका

नई दिल्लीः इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट से पहले भारत के लिए बुरी खबर है। ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी चोट की वजह से पूरी सीरीज से बाहर हो गए हैं। इसके अलावा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह भी बाएं अंगूठे में चोट की वजह से चौथे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। खिलाड़ियों की चोट से जूझ रही टीम इंडिया ने अंशुल कंबोज को भारतीय दल में शामिल किया है। बहुत मुमकिन है कि उन्हें मैनचेस्टर में टेस्ट डेब्यू का मौका मिले। सवाल लाजिमी है कि नीतीश रेड्डी का सीरीज से बाहर होना भारत के लिए कितना बड़ा झटका है और उनकी जगह चौथे टेस्ट में कौन ले सकता है। वहीं अर्शदीप सिंह हाथ में चोट लगने की वजह से चौथे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। पेसर आकाश दीप का भी चौथा टेस्ट खेलना मुश्किल हैं। वहीं अब आंध्र प्रदेश के ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी के इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज से बाहर होने के बाद इतना तो तय है कि मैनचेस्टर टेस्ट में भारतीय टीम में कई बदलाव दिखेंगे। रेड्डी को ट्रेनिंग के दौरान घुटने में चोट लग गई थी और अब वह सीरीज के बाकी मैच नहीं खेल पाएंगे।

स्टार पेसर जसप्रीत बुमराह वर्कलोड मैनेजमेंट की वजह से सीरीज के बाकी बचे दो टेस्ट में सिर्फ एक ही खेलेंगे। वह मैनचेस्टर में खेलेंगे या ओवल में, यह अभी तक साफ नहीं है। नीतीश कुमार रेड्डी की गैरमौजूदगी में मैनचेस्टर टेस्ट में बॉलिंग ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर उनका विकल्प हो सकते हैं। हालांकि, वह लीड्स टेस्ट में वह कुछ खास नहीं कर पाए थे। आकाश दीप भी अनफिट हैं लिहाजा मैनचेस्टर में उनका खेलना भी संदिग्ध है। ऐसे में अंशुल कंबोज और प्रसिद्ध कृष्ण को मौका मिल सकता है। तीसरा विकल्प यह भी हो सकता है कि नीतीश कुमार रेड्डी की जगह पर विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल को मौका दिया जाए और आकाश दीप की जगह पर कंबोज को। ऋषभ पंत भी चोट से जूझ रहे हैं। अगर वह फिट हुए तो भारतीय टीम मैनचेस्टर में उनसे विकेटकीपिंग करवाकर फिर से उनके चोट उभरने का जोखिम नहीं लेना चाहेगी। उन्हें विकेटकीपर के बजाय विशेषज्ञ बल्लेबाज के तौर पर शामिल करने पर विचार किया जा रहा है। इस तरह ध्रुव जुरेल के मैनचेस्टर टेस्ट में खेलने के चांस ज्यादा दिख रहे हैं।

रफ्तार से लोहा लेने को हो जाइए तैयार, अपाचे 310 है जबरदस्त

नई दिल्ली: बाइक के शौकीनों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। स्पोर्टी लुक रफ्तार के फैंस के लिए टीवीएस ने अपाचे आरटीआर 310 लांच कर दी है। यह दमदार बाइक 312.12 सीसी के दमदार ईंजन के साथ आई है, जो कि सिंगल सिलेंडर लिक्विड कूल है। छह स्पीड ट्रांसमिशन से लैस यह बाइक 9700 आरपीएम पर 35 एचपी की पावर और 6650 आरपीएम पर 28.7 एनएम का पीक टॉर्क जेनरेट करती है।

अपाचे आरटीआर 310 में चार कलर दिए गए हैं, जिनमें आर्सेन ब्लैक, फ्यूरी येलो, फियेरी रेड और सेपांग ब्लू शामिल हैं। बाइक में कई एडवांस फीचर दिए गए हैं, जो युवाओं को रफ्तार के साथ सुरक्षा भी देते हैं। इसके अलावा नया रियर स्प्रोकेट भी दिया गया है, जिससे बेहतर माइलेज मिलेगी। अपाचे आरटीआर 310 में पांच इंच टीएफटी इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर दिया गया है। इसके अलावा भी कई नए फीचर्स दिए गए हैं।

क्या खढ नड्डा से नाराज थे धनखड़? कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने इस्तीफे पर उठाए सवाल

नई दिल्ली: कांग्रेस ने कहा है उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे की वजह उनका स्वास्थ्य कम और कोई दूसरा कारण अधिक प्रतीत होता है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने कहा है कि धनखड़ के इस्तीफे का सच कुछ और हो सकता है और इसका प्रमुख कारण धनखड़ की भावनाओं को ठेस पहुंचाना लगता है। संसद के मानसून सत्र के पहले दिन की घटना का विवरण देते हुए उन्होंने कहा कल दोपहर 12.30 बजे धनखड़ ने राज्यसभा की कार्य मंत्रणा समिति की अध्यक्षता की। इस बैठक में सदन के नेता जेपी नड्डा और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू समेत ज्यादातर सदस्य मौजूद थे। थोड़ी देर की चर्चा के बाद तय हुआ कि समिति

की अगली बैठक शाम 4.30 बजे फिर से होगी।

धनखड़ की अध्यक्षता में समिति के सदस्य दोबारा बैठक के लिए इकट्ठा हुए। सभी जेपी नड्डा और रिजिजू का इंतजार करते रहे, लेकिन वे नहीं आए। सबसे हैरानी की बात यह थी कि धनखड़ को व्यक्तिगत रूप से यह नहीं बताया गया कि दोनों मंत्री बैठक में नहीं आएंगे। स्वाभाविक रूप से उन्हें इस बात का बुरा लगा और उन्होंने अगली बैठक आज दोपहर 1 बजे के लिए टाल दी। इससे साफ है कि कल दोपहर 1 बजे से लेकर शाम 4.30 बजे के बीच जरूर कुछ गंभीर बात हुई है, जिसकी वजह से नड्डा और रिजिजू ने जानबूझकर शाम की बैठक में हिस्सा नहीं लिया।

उन्होंने कहा कि अब एक बेहद चौंकाने वाला कदम उठाते हुए, धनखड़ ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने इसकी वजह अपनी सेहत को बताया है। हमें इसका मान रखना चाहिए। लेकिन सच्चाई यह भी है कि इसके पीछे कुछ और गहरे कारण हैं। उन्होंने हमेशा 2014 के बाद के भारत की तारीफ की लेकिन साथ ही किसानों के हितों के लिए खुलकर आवाज उठाई। उन्होंने सार्वजनिक जीवन में बढ़ते अहंकार की आलोचना की और न्यायपालिका की जवाबदेही व संयम की जरूरत पर जोर दिया।

मौजूदा जी2 सरकार के दौर में भी उन्होंने जहां तक संभव हो सका, विपक्ष को जगह देने की कोशिश की। वह नियमों, प्रक्रियाओं और मर्यादाओं के पक्के थे। लेकिन उन्हें लगता था कि उनकी भूमिका में लगातार इन बातों की अनदेखी हो रही है। कांग्रेस नेता ने कहा धनखड़ का इस्तीफा उनके बारे में बहुत कुछ कहता है। साथ ही, यह उन लोगों की नीयत पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है, जिन्होंने उन्हें उपराष्ट्रपति पद तक पहुंचाया था।

नीतीश कुमार के करीबी अधिकारी एसीएस एस सिद्धार्थ ने दिया इस्तीफा, विधानसभा चुनाव लड़ने की चर्चा

पटना: इस वक्त की बड़ी खबर बिहार के शिक्षा जगत और प्रशासनिक महकमें से आ रही है। मुख्यमंत्री के करीबी अधिकारी और एसीएस एस सिद्धार्थ ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉक्टर एस. सिद्धार्थ ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। कुछ मीडिया रिपोर्ट में यह दावा किया जा रहा है कि एसीएस एस सिद्धार्थ ने वीआरएस के तहत अपना इस्तीफा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भेजा है। मीडिया रिपोर्ट में यह भी दावा किया जा रहा है कि डॉक्टर एस. सिद्धार्थ ने अपना इस्तीफा 17 जुलाई को ही सौंप दिया था। मुख्यमंत्री की मंजूरी के

बाद इसपर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।सूत्र बताते है कि उनके विधानसभा चुनाव लड़ने के कयास लगाए जा रहे है। नवादा जिला से उनके चुनाव लड़ने की चर्चा है। शिक्षा विभाग में डॉक्टर एस सिद्धार्थ की कार्यशैली हमेशा चर्चा में रहती है। एस सिद्धार्थ की पहचान एक तेज-तर्रार आईएएस के तौर पर है। अपने कार्यकाल में एस सिद्धार्थ ने बिहार के सरकारी स्कूलों में छात्रों की ज्यादा से ज्यादा उपस्थिति पर जहां जोर दिया तो वहीं एस सिद्धार्थ शिक्षकों की हाजिरी पर भी विशेष ध्यान देते हैं। एस सिद्धार्थ अक्सर अपने कार्यालय से वीडियो कॉल कर इस बात की भी जांच करते रहे हैं कि स्कूल में छात्रों की उपस्थिति कैसी है और शिक्षक स्कूल में मौजूद हैं या नहीं।

एस सिद्धार्थ के इस्तीफे की बात सामने आने के बाद से प्रशासनिक हलकों में हलचल मच गई है। हालांकि, अभी इसकी आधिकारी पुष्टि नहीं हुई है। मीडिया रिपोर्ट में ऐसा कहा जा रहा है कि एस सिद्धार्थ ने निजी वजहों का हवाला देते हुए शिक्षा विभाग के एसीएस के पद से इस्तीफा दिया है। शिक्षा विभाग के एसीएस डॉक्टर एस सिद्धार्थ साल 1991 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। वो इस साल नवंबर के महीने में रिटायर होने वाले थे। चाय की दुकानों पर आम लोगों से बातचीत और दुकान पर खुद मिठाई बनाकर भी एस सिद्धार्थ चर्चा में रहे। आपको बता दें कि इससे पहले हाल ही में एक अन्य आईएएस अफसर दिनेश कुमार राय ने अपने पद से वीआरएस लिया था।

स्कोडा की गाड़िया ग्राहकों की पहली पंसद

मुंबई: भारत में 25 साल और दुनिया भर में 130 साल की शानदार विरासत के साथ स्कोडा ऑटो नए मुकाम गढ़ रही है। कंपनी ने इस महीने 2025 की पहली छमाही में अपनी अब तक की सबसे जबरदस्त बिक्री दर्ज की है और अब एक और बड़ी उपलब्धि के रूप में ब्रांड ने देश के 172 शहरों में 300 से अधिक ग्राहक टचपॉइंट्स का आंकड़ा पार कर लिया है। ग्राहक अनुभव को बेहतर से बेहतरीन बनाना स्कोडा ऑटो की भारत में तेज रफ्तार विकास रणनीति का मूल मंत्र है। देशभर में तेजी से बढ़ता यह नेटवर्क, न केवल स्कोडा की बढ़ती पहुंच का प्रमाण है, बल्कि भारतीय ग्राहकों के बीच उसके मजबूत होते भरोसे की कहानी भी कहना है। इस अवसर पर स्कोडा

ऑटो इंडिया के ब्रांड डायरेक्टर आशीष गुप्ता ने कहा, श्हमारे नेटवर्क के विस्तार से हमारी कारें और सेवाएं अब ज्यादा लोगों तक पहुंच रही हैं। इससे ग्राहकों को देशभर में तेज, भरोसेमंद और गुणवत्ता से भरपूर सेवा मिल रही है। हम ग्राहकों के और करीब आने और साथ मिलकर आगे बढ़ने की सोच के साथ काम कर रहे हैं।

इसी के तहत हमने अपने पुराने, भरोसेमंद डीलर साझेदारों के साथ सहयोग को और मजबूत किया है और कुछ नए ग्राहक-केंद्रित साझेदारों को भी जोड़ा है। यह विस्तार भारत में स्कोडा ऑटो की उपस्थिति को और सशक्त बनाएगा और सुरक्षाए मूल्य तथा बेहतरीन अनुभव के हमारे वादे को और मजबूती देगा। काइलैक की सफलता से आगे बढ़ते हुए काइलैक स्कोडा ऑटो के लिए एक ऐसा मॉडल बनकर उभरा है, जिसने कंपनी को नये बाजारों और ग्राहकों से जोड़ने में बड़ी मदद की है। ब्रांड का लगातार बढ़ता नेटवर्क अब इन नए क्षेत्रों में स्कोडा की पहुंच और मजबूत कर रहा है। कुशाक और कोडिएक के साथ मिलकर अब स्कोडा के पास हर वर्ग के ग्राहकों के लिए एसयूवी की पूरी रेंज मौजूद है।

एक साथ 25 बच्चों की मौत, ज्यादातर 12 साल से कम, एक हादसा बन गया तबाही

ढाका: ढाका के माइलस्टोन स्कूल और कॉलेज में कल हुए बंगलादेश वायु सेना के लड़ाकू विमान हादसे में मरने वालों की संख्या बढकर 27 हो गई है। मृतकों में 25 बच्चे होने की पुष्टि हुई है, जिनमें से कई 12 साल से कम उम्र के हैं। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के मुख्य सलाहकार के विशेष सहायक प्रोफेसर मोहम्मद सईदुर रहमान के अनुसार कम से कम 78 लोग वर्तमान में विभिन्न अस्पतालों में उपचाराधीन हैं, जिनमें से पाँच की हालत गंभीर है। उन्होंने आज सुबह नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बर्न एंड प्लास्टिक सर्जरी में मीडिया को जानकारी दी। श्री रहमान ने कहा कि मृतकों में 25 बच्चे हैं जो गंभीर रूप से जल गए हैं। शेष दो में विमान का पायलट और एक महिला शिक्षिका शामिल हैं। अब तक 20 शवों की पहचान कर उन्हें उनके परिवारों को सौंप दिया गया है। यह भयावह घटना कल उस समय हुई जब बंगलादेश वायु सेना का एक प्रशिक्षण विमान ऑपरेशनल अभ्यास के दौरान एक स्कूल की इमारत से टकरा गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि अफरा-तफरी का माहौल था क्योंकि माता-पिता घटनास्थल पर पहुंचे और आपातकालीन सेवाएं घायलों को बचाने के लिए जी-जान से जुटी थीं। अस्पताल के अधिकारियों ने पुष्टि की है कि सुरक्षा बढ़ाने और रिश्तेदारों व दर्शकों की भारी भीड़ को संभालने के लिए अब राष्ट्रीय बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी संस्थान में सेना के जवानों को तैनात किया गया है। प्रो. रहमान ने कहा कि हम जान बचाने की हर संभव कोशिश कर रहे हैं। हालांकि कुछ मरीजों की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है। देश के अंतरिम नेता मोहम्मद यूनुस ने एक्स पर एक पोस्ट में इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वायु सेना, माइलस्टोन स्कूल एवं कॉलेज के छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों और कर्मचारियों, साथ ही इस दुर्घटना से प्रभावित अन्य लोगों को जो क्षति हुई है, उसकी भरपाई नहीं की जा सकती। यह देश के लिए बहुत दुख की बात है। यूनुस के कार्यालय ने प्रभावित परिवारों के लिए आपातकालीन फोन नंबरों और हेल्पलाइनों की एक सूची भी जारी की।

नीतीश के सामने ही डिप्टी सीएम विजय सिन्हा और अशोक चौधरी में नोकझोंक, तेजस्वी ने कसा तंज

पटना: बिहार विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही, सोमवार को प्रमुख विधायकों की बैठक के दौरान एनडीए गठबंधन के भीतर तनाव उभरकर सामने आया। सूत्रों के अनुसार, ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा आयोजित एक आधिकारिक कार्यक्रम से एक विधायक को कथित तौर पर बाहर रखे जाने को लेकर उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा और जदयू मंत्री अशोक चौधरी के बीच तीखी बहस हुई। सिन्हा ने कार्यक्रम में स्थानीय विधायक की अनुपस्थिति पर कड़ी आपत्ति जताई, जिसके कारण एनडीए विधायक दल की बैठक के दौरान ही तीखी बहस हो गई।

उप-मुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने जोर देकर कहा कि गठबंधन अनुशासन केवल एक पार्टी की नहीं, बल्कि सभी सहयोगियों की ज़िम्मेदारी है। उन्होंने राजद विधायक प्रह्लाद यादव का मुद्दा भी उठाया, जिन्होंने विश्वास मत के दौरान एनडीए का समर्थन किया था। सिन्हा ने कहा कि यादव के समर्थन के बारे में शीर्ष नेताओं को पहले से जानकारी होने के बावजूद, उन्हें आधिकारिक कार्यक्रमों में आमंत्रित नहीं किया गया, और इसे गठबंधन की नैतिकता का उल्लंघन बताया।

प्राकृतिक आपदाओं से बचाएगा निसार, 30 जुलाई को लांच होगा धरती का रक्षक सैटेलाइट

इसरो और नासा ने मिलकर बनाया उपग्रह

नई दिल्ली: मानव इतिहास का सबसे ताकतवर सैटेलाइट निसार 30 जुलाई को शाम 5:40 बजे लांच होगा। निसार मिशन जीएसएलवी-एफ16 रॉकेट से सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, श्रीहरिकोटा से लांच किया जाएगा। सैटेलाइट को भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो और अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने मिलकर बनाया है। यह इकलौता सैटेलाइट पूरी दुनिया में आने वाली किसी भी तरह की आपदा की जानकारी दे सकता है। अंतरिक्ष में तैनात किया जाने वाला यह जासूस भूकंप, भूस्खलन, जंगल की आग, बारिश, चक्रवाती तूफान, हरिकेन, बारिश, बिजली का गिरना, ज्वालामुखी का फटना,

टेक्टोनिक प्लेट्स की मूवमेंटङ्क हर एक चीज पर नजर रखेगा। इन प्राकृतिक घटनाओं के होने से पहले ही यह अलर्ट कर देगा।

लगभग 12,500 करोड़ रुपए की लागत से तैयार यह सैटेलाइट अब तक का सबसे महंगा अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट होगा। नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर राडार (निसार) लांच होने के बाद पूरी दुनिया को आने वाले भूकंपों के बारे में पहले सूचना देगा। अंतरिक्ष में ऐसे दिखेगाः निसार सैटेलाइट में एक बड़ा मेन बस होगा, जिसमें कई इंस्ट्रूमेंट्स होंगे। ट्रांसपोंडर्स, टेलीस्कोप और राडार सिस्टम होगा। इसमें से एक आर्म निकलेगा, जिसके ऊपर एक सिलेंडर होगा। यह सिलेंडर लांच होने के कुछ घंटों बाद खुलेगा तो इसमें डिश एंटीना जैसी एक बड़ी छतरी निकलेगी। यह छतरी ही सिंथेटिक अपर्चर राडार है।

हर 12 दिन में मिलेगी धरती की नई रिपोर्टः निसार एप्लीकेशन प्रमुख कैथलीन जोन्स ने कहा कि 12 दिन में ही निसार दूसरा चक्कर लगाएगा। इतने दिन के अंतर में धरती की सतह पर आने वाले बदलाव पता चल जाएंगे। हम सटीकता से यह पता कर पाएंगे कि किस देश में किस तरह का मौसम है या किस तरह की प्राकृतिक आपदा आने की आशंका बन रही है। निसार का रडार 240 किलोमीटर तक के क्षेत्रफल की एकदम साफ तस्वीरें ले सकेगा। यह धरती के एक स्थान की फोटो 12 दिन बाद फिर लेगा क्योंकि इसे धरती का पूरा एक चक्कर लगाने में 12 दिन लगेंगे। इस मिशन की लाइफ पांच साल मानी जा रही है।

सीबीएसई स्कूलों के चप्पे-चप्पे में सीसीटीवी कैमरे जरूरी, विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए लिया फैसला

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की गाइडलाइंस के तहत विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए लिया फैसला

नई दिल्ली: विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर एक महत्त्वपूर्ण कदम उठाते हुए केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने सभी संबद्ध स्कूलों में हाई-रेजोल्यूशन सीसीटीवी कैमरे लगाना अनिवार्य कर दिया है। बोर्ड ने अपने संबद्धता उपनियम-2018 के अध्याय 4 (भौतिक अवसंरचना) में संशोधन करते हुए यह नियम लागू किया है। सीबीएसई सचिव हिमांशु गुप्ता ने बोर्ड से संबंधित सभी स्कूलों को यह निर्देश विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जारी किया गया है। इसके तहत सभी स्कूलों को अपने प्रवेश और निकास द्वार, गलियारों, सीढ़ियों, कक्षाओं, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय, कैंटीन, स्टोर रूम, खेल मैदान और अन्य साझा क्षेत्रों (कॉमन एरिया) में सीसीटीवी कैमरे लगाने होंगे।

हालांकि, शौचालय को इससे बाहर रखा गया है। सीबीएसई ने

स्पष्ट किया है कि लगाए जाने वाले सीसीटीवी कैमरों में रियल टाइम ऑडियो-विजुअल रिकार्डिंग की सुविधा होनी चाहिए। साथ ही कम से कम 15 दिनों की रिकार्डिंग का बैकअप रखना अनिवार्य होगा, जिसे जरूरत पड़ने पर जांच एजेंसियां या बोर्ड अधिकारी जांच के लिए उपयोग कर सकें। सीबीएसई के मुताबिक यह कदम राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) की स्कूलों में विद्यार्थियों की सुरक्षा और संरक्षा से जुड़ी गाइडलाइंस के अनुरूप है।

छात्रों की सुरक्षा सबसे ज्यादा जरूरीः बोर्ड ने कहा कि विद्यार्थियों को सुरक्षित वातावरण देना स्कूलों की पहली जिम्मेदारी है। इसमें शारीरिक सुरक्षा के साथ-साथ भावनात्मक और मानसिक सुरक्षा भी शामिल है। स्कूलों में बुलिंग, उत्पीड़न, मनो-सामाजिक मुद्दा और अन्य खतरों से बचाने के लिए यह व्यवस्था बेहद जरूरी है। स्कूलों में काम करने वाले शिक्षक, विशेष सहायकों, कर्मचारियों और यहां तक कि विद्यार्थियों को भी सुरक्षा के इस माहौल को बनाए रखने में भूमिका निभानी होगी। स्कूलों में सुरक्षा के दो पहलू हैं। पहला शरारती असामाजिक तत्त्वों से सुरक्षा और दूसरा बदमाशी और अन्य अंतर्निहित खतरों के संदर्भ में विद्यार्थियों की समग्र भलाई के लिए सुरक्षा। बोर्ड ने कहा कि सतर्क और संवेदनशील कर्मचारियों और नवीनतम तकनीक के उपयोग से ऐसी सभी संभावनाओं को रोका जा सकता है। बोर्ड ने निर्देश दिया कि स्कूलों में सीसीटीवी की नियमित रूप से निगरानी और रखरखाव किया जाना चाहिए।

न्यूज IN ब्रीफ

रायडीह में विशेष छापेमारी, कई प्रतिष्ठानों पर जुर्माना

गुमला : गुमला जिला में आज खाद्य सुरक्षा विभाग अधिनियम के तहत एक विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया। इस अभियान का नेतृत्व खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी लव कुमार गुप्ता के द्वारा किया गया। अभियान की शुरूआत उत्क्रमित मध्य विद्यालय कुलमुंडा एवं राजकीय प्राथमिक विद्यालय बक्सरपुर से की गई, जहाँ ह्लथोड़ा कम झ्र नमक, तेल और चीनीह्व जन-जागरूकता कार्यक्रम के तहत छात्रों एवं शिक्षकों को संतुलित आहार व स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही मिड-डे मील और किचन निरीक्षण किया गया एवं खाद्य सामग्री के सैंपल लिए गए। बच्चों को एक्सपायरी डेट देखकर खाने की आदत डालने तथा फास्ट फूड से दूरी बनाने हेतु प्रेरित किया गया।

लोको स्थित राम मंदिर में दूसरी सोमवारी को हुई विशेष पूजा अर्चना एवं रुद्राभिषेक

राम मंदिर के पुजारी नित्यानंद पांडे ने कराई विशेष पूजा अर्चना और किया रुद्राभिषेक

चक्रधरपुर : स्थानीय लोको कॉलोनी स्थित राम मंदिर प्रांगण में अवस्थित शिव मंदिर में सावन माह के दूसरी सोमवारी के दिन भोलेनाथ के दरबार में रुद्राभिषेक और विशेष श्रृंगार के साथ-साथ पूजा अर्चना किया गया ।

इस अवसर पर मंदिर के पुजारी नित्यानंद पांडे ने पूजा अर्चना करने के साथ-साथ भगवान भोलेनाथ का विशेष श्रृंगार किया जो काफी अलौकिक था इस अवसर पर मंदिर के पुजारी नित्यानंद पांडे ने बताया कि लोको स्थित राम मंदिर प्रांगण में यूं तो प्रतिदिन भक्त जनों और श्रद्धालुओं के भीड़ उमड़ती है किंतु सावन माह में भोलेनाथ की विशेष पूजा अर्चना के आयोजन के अवसर पर काफी संख्या में भक्तजन और श्रद्धालु उपस्थित होते हैं और भोले शंकर की पूजा अर्चना करते हैं साथ ही साथ रुद्राभिषेक और विशेष श्रृंगार मुख्य आकर्षण का केंद्र होता है।

बानो के सोय मोड़ पर बाइक और साइकिल की टक्कर, एक युवक घायल

बानो : बानो थाना क्षेत्र के सोय मोड़ के समीप सोमवार को बाइक और साइकिल के बीच टक्कर हो गई, जिसमें सुजीत बडिंग नामक युवक घायल हो गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार, राजू भुइंया कोनसोदे से भिखराटोली की ओर जा रहा था, वहीं सुजीत बडिंग, जो लचरागढ़ कॉलेज में पढ़ाई करता है, कॉलेज से घर लौट रहा था। इसी दौरान सोय मोड़ के पास दोनों के वाहन आपस में टकरा गए।हादसे में सुजीत बडिंग को माथे पर चोट लगी है, जबकि राजू भुइंया को छाती में चोट आई है। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से घायल को बानो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।फिलहाल दोनों की हालत स्थिर बताई जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

विधायक की पहल पर हाटिंहोड़े आवासीय विद्यालय को मिला नया ट्रांसफॉर्मर

बानो : बानो प्रखंड अंतर्गत साहू बेड़ा पंचायत स्थित ग्राम हाटिंहोड़े के राजकीय अनुसूचित जनजाति आवासीय बालक मध्य विद्यालय में कई दिनों से विद्युत ट्रांसफॉर्मर खराब पड़ा था, जिससे विद्यालय में बिजली की गंभीर समस्या बनी हुई थी। विद्यालय प्रबंधन द्वारा तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया को आवेदन दिए जाने के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए नया ट्रांसफॉर्मर लगवा दिया गया। विधायक सुदीप गुड़िया के निर्देश पर ट्रांसफॉर्मर की तत्काल आपूर्ति कर विद्यालय को बिजली सुविधा से पुनः जोड़ा गया। इस अवसर पर झामुमो बानो प्रखंड उपाध्यक्ष तनवीर हुसैन, तुरतन गुड़िया, पंचायत मुखिया सुसाना जड़िया, पंचायत अध्यक्ष सेजन हेंब्रम, पंचायत सचिव कामिल डांग, कोषाध्यक्ष फ्रांसीस मड़की, ग्राम सभा सदस्य प्रीतम मसीह, ग्राम सभा अध्यक्ष गोर्रा शांतियल हेंब्रोम प्रधानाध्यापक विश्वासी डांग, सहायक शिक्षिका प्रतिमा कुमारी धान और शिक्षक छटन सिंह व विकास कुमार साहू आदि लोग उपस्थित थे।

डीआईजी के आग्रह पर डॉ अरुण शुक्ला देंगे कांवर यात्रियों को विशेष चिकित्सा सुविधा

पैर में मोच या चोट लगने पर श्रद्धालुओं को तुरंत दिखाया जाएगा हड्डी रोग विशेषज्ञ को

बिनय मिश्रा

मेदिनीनगर : सावन मास में बाबा धाम कांवर यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने को लेकर पलामू प्रक्षेत्र के डीआईजी नौशाद आलम ने विशेष पहल की है। डीआईजी के आग्रह पर शहर के प्रसिद्ध हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. अरुण शुक्ला ने सहमति दी है कि यात्रा के दौरान अगर किसी श्रद्धालु को पैर में मोच, चोट या हड्डी संबंधी कोई परेशानी हो, तो उसे प्राथमिकता के आधार पर देखा जाएगा। डॉ. शुक्ला ने डीआईजी को भरोसा दिया है कि वे ऐसे श्रद्धालुओं को बिना इंतजार किए इलाज की सुविधा देंगे और अलग से समय निर्धारित करेंगे। डीआईजी नौशाद आलम ने डॉक्टर शुक्ला से औपचारिक भेंट कर यह विशेष अनुरोध किया था कि सावन के महीने में जब बाबा धाम जाने वाले हजारों श्रद्धालु जिले से होकर गुजरते हैं, तो राह में किसी को भी चिकित्सा सहायता की जरूरत पड़ सकती है। डीआईजी ने कहा कि श्रद्धालुओं की सेवा हमारी जिम्मेदारी है और डॉ. शुक्ला ने इस सामाजिक दायित्व में प्रशासन का भरपूर साथ देने की सहमति दी है। डीआईजी ने यह भी कहा कि किसी भी श्रद्धालु को चोट लगने या पैरों में तकलीफ होने पर पुलिस या आम लोग डॉ. शुक्ला से संपर्क करें। मुलाकात के बाद डीआईजी ने डॉ. शुक्ला की चिकित्सकीय सेवा और उनके सेवाभाव की खुलकर सराहना की। उन्होंने कहा कि डॉ. शुक्ला जैसे समर्पित चिकित्सक का पलामू में होना गौरव की बात है। उनके समर्पण और सादगी से हम सभी को प्रेरणा मिलती है।

हाईवे किनारे ढाबों में आबकारी विभाग की दबिश, शराब जब्त

जमशेदपुर : जिले में अवैध शराब कारोबार पर नकेल कसने के लिए आबकारी विभाग ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई की। टीम ने राष्ट्रीय राजमार्ग (हाईवे) पर पिपला और उसके आसपास के क्षेत्रों में स्थित कई ढाबों और संदिग्ध ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। इस दौरान 40 लीटर देसी शराब और 8 बोतल विदेशी शराब जब्त की गई। विभाग को गुप्त सूचना मिली थी कि हाईवे के किनारे स्थित कुछ ढाबों और दुकानों में बड़े पैमाने पर अवैध रूप से शराब बेची जा रही है। टीम ने पिपला क्षेत्र में सघन छापेमारी अभियान चलाया। अभियान के दौरान कई जगहों से ब्रांडेड विदेशी शराब की बोतलें, देसी शराब के पाउच और बिना लाइसेंस के स्टॉक किए गए कार्टून बरामद किए गए।

गुमला की दीदियों ने आईएसएम में लिया कैफे एवं कैटरिंग सेवा का प्रशिक्षण

संवाददाता

गुमला : झारखंड राज्य आजीविका मिशन (जेएसएलपीएस) के तत्वावधान में रांची स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट में दिनांक 7 जुलाई से 18 जुलाई 2025 तक पलाश दीदी कैफे एवं कैटरिंग सेवा के सातवें बैच के लिए 10 दिवसीय फाउंडेशन कोर्स प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

इस प्रशिक्षण में गुमला जिले के सिसई एवं डुमरी प्रखंड की पांच स्वयं सहायता समूह की दीदियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान दीदियों को आधुनिक कैफे संचालन, कैटरिंग सेवा, स्वच्छता, ग्राहक सेवा, किचन प्रबंधन और उद्यमिता से संबंधित व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया गया।

गुमला जिले की दीदियाँ इस प्रशिक्षण के बाद अपने प्रखंडों में पलाश दीदी कैफे एवं कैटरिंग सेवा के माध्यम से स्वरोजगार के नए अवसरों को साकार करेंगी, जिससे न केवल उन्हें आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी, बल्कि अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेंगी।

पीवीटीजी समुदाय के शत-प्रतिशत आधार कवरेज के लिए विशेष अभियान जारी

संवाददाता

गुमला : गुमला जिले के पीवीटीजी समुदाय को आधार सुविधा से शत-प्रतिशत आच्छादित करने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित के निदेशानुसार 16 जुलाई से 31 जुलाई 2025 तक जिले की सभी ढश्ळञ्र पंचायतों में आधार पंजीकरण एवं अद्यतन हेतु विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आज जारी, बिशुनपुर, डुमरी, घाघरा, रायडीह, गुमला एवं चैनपुर प्रखंड अंतर्गत 8 ढश्ळञ्र पंचायतों–जैसे मेराल, घाघरा, खेताली,मझगांव , बीमरला, चैनपु, कोंडरा एवं अनजन –में विशेष शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों के माध्यम से 28 नए आधार नामांकन एवं 95 आधार अद्यतन सफलतापूर्वक पूर्ण किए गए।

इस अभियान की विशेषता यह है कि शिविर आधारित सेवा के साथ-साथ डोर-टू-डोर आधार सेवा भी सक्रिय रूप से दी जा रही है।

उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि जिले का कोई भी ढश्ळञ्र परिवार आधार जैसी आवश्यक पहचान सेवा से वंचित न रहे। इसी उद्देश्य के तहत प्रत्येक ढश्ळञ्र पंचायत में विशेष शिविरों के माध्यम से आधार सेवा सुनिश्चित की जा रही है।

पदक पाने वाले पुलिसकर्मियों को किया गया सम्मानित

संवाददाता

सिमडेगा। 16 से 18 जुलाई तक रॉची में आयोजित रेंज पुलिस ड्यूटी मीट वर्ष-2025 में सिमडेगा जिला ने ओवरऑल द्वितीय स्थान हासिल किया। पुलिस अधीक्षक सिमडेगा के द्वारा पदक विजेता पदाधिकारियों को पुरस्कृत एवं सम्मानित किया गया।

दिनांक- 16 से 18 जुलाई तक रॉची में रेंज पुलिस ड्यूटी मीट वर्ष 2025 का अयोजन किया गया जिसमें सिमडेगा जिला ने ओवरऑल द्वितीय स्थान हासिल किया एवं सिमडेगा जिला के पुलिस पदाधिकारियों ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए निम्न प्रकार से पदक प्राप्त किया-

1. पु0अ0नि0 मनोहर कुमार मठपती - स्वर्ण पदक
2. पु0अ0नि0 विवेक कुमार- स्वर्ण पदक
3. पु0अ0नि0 सोनू पाठक- स्वर्ण पदक
4. पु0अ0नि0 पंकज प्रमाणिक- रजत पदक
5. पु0अ0नि0 विद्यासागर चौरसिया- रजत पदक
6. पु0अ0नि0 हर्ष कुमार साह- कांस्य पदक
7. पु0अ0नि0 मुरताज अंसारी- रजत पदक

उक्त पुलिस पदाधिकारियों के द्वारा सिमडेगा जिलाबल का प्रतिनिधित्व करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विभिन्न विषयों में आयोजित प्रतियोगिताओं में पदक प्राप्त किया गया। इनके बेहतर प्रदर्शन एवं लगन के लिए पुलिस अधीक्षक महोदय, सिमडेगा के द्वारा सम्मानित एवं पुरस्कृत किया जाता है।

डोबो में सावन महोत्सव का उल्लास, मोनालिसा बनीं सावन क्वीन

जमशेदपुर : डोबो पुड़ीसिली स्थित एक रिसॉर्ट में रविवार को सावन महोत्सव की मस्ती और उल्लास की बौछार में महिलाएं सराबोर हो उठीं। योगा मेडिटेशन सेंटर की ओर से आयोजित इस रंगारंग सावन महोत्सव में शहर की महिलाओं ने हरियाली के पर्व का उमंग के साथ स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरूआत रैंप वॉक से हुई, जिसमें महिलाएं पारंपरिक हरे रंग की साड़ियां, लहरिया और पारंपरिक परिधानों में मंच पर उतरीं। उनका आत्मविश्वास किसी प्रोफेशनल मॉडल जैसा नजर आया। इसके बाद गीत-संगीत और नृत्य का दौर चला। महिलाओं ने पुराने बॉलीवुड गीतों से लेकर आधुनिक डांस नंबर्स और भोजपुरी धुनों पर जमकर ठुमके लगाए।

मुख्य अतिथि भरत सिंह, डॉ. रामानता, दिनेश और प्रफुल्ल की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। फन गेम्स ने बचपन की यादें ताजा कर दीं, जबकि सामूहिक सहभागिता और समर्पण ने आयोजन को यादगार बना दिया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण था सावन क्वीन प्रतियोगिता, जिसमें मोनालिसा आर्यन को खिताब से नवाजा गया। अन्य सभी प्रतिभागियों को भी सम्मानित किया गया। मंच संचालन सत्यजीत सिंह ने किया, जिसमें आशा सिंह ने उनका शानदार साथ निभाया।

सिमडेगा पत्रकार संघ ने इंटरनेशनल हॉकी स्टेडियम सहित पूरे जिले में किया पौधरोपण

संवाददाता

सिमडेगा : विश्व आम दिवस के मौके पर सिमडेगा पत्रकार संघ के द्वारा आज जिला मुख्यालय सहित जिले सभी प्रखंडों में वृक्षारोपण के कार्यक्रम आयोजित किए गए।

सिमडेगा जिला मुख्यालय में नवनिर्मित इंटरनेशनल हॉकी स्टेडियम में सिमडेगा पत्रकार संघ के तत्वाधान में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में कोलेबिरा विधायक नमन विक्सल कोंगाड़ी, एसपी सिमडेगा एम अर्शी, डीएफओ शशांक शेखर, डीडीसी दीपांकर चौधरी, डीएसपी हेड क्वार्टर रणवीर सिंह, डीपीआरओ पलटू महतो, विधायक प्रतिनिधि समी आलम, जेएससीए बोर्ड के प्रतिनिधि श्रीराम पुरी, मजदूर नेता राजेश सिंह सहित पत्रकार संघ के सभी पदधारियों ने चंदन, आम, आंवला आदि के पौधे लगाए।

कोलेबिरा विधायक नमन विक्सल कोंगाड़ी ने कहा कि वृक्षारोपण वायु को शुद्ध करता है, जलवायु परिवर्तन को कम करने में मदद करता है, मिट्टी के कटाव को रोकता है, और जैव विविधता को बढ़ावा देता है। इसलिए हमें अपने जीवन काल में अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए जो आने वाले पीढ़ी के लिए जीवनदाई नहीं बने।

डीएफओ शशांक शेखर ने वृक्षारोपण के महत्व बताते हुए कहा कि पेड़ बारिश के पानी को सोखने और मिट्टी में प्रवेश करने में मदद करते हैं, जिससे भूजल स्तर बढ़ता है और बाढ़ का खतरा कम होता है।

एसपी एम अर्शी ने वृक्षारोपण के महत्व बताते हुए कहा कि शुद्ध हवा और हरे-भरे वातावरण में रहने से श्वसन संबंधी समस्याओं और अन्य बीमारियों का खतरा कम होता है। इसलिए वृक्षारोपण अति आवश्यक है।

डीडीसी दीपांकर चौधरी ने वृक्षारोपण के महत्व बताते हुए कहा कि वृक्षारोपण पर्यावरण, स्वास्थ्य, और आर्थिक रूप से फायदेमंद है। यह एक महत्वपूर्ण निवेश है जो आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ और समृद्ध भविष्य सुनिश्चित करता है।

डीपीआरओ पलटू महतो ने वृक्षों के महत्व बताते हुए कहा कि वृक्षारोपण हमारे पर्यावरण और जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह न केवल हमें शुद्ध हवा और ऑक्सीजन प्रदान करता है, बल्कि जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने में भी मदद करता है। वृक्षारोपण से मिट्टी का कटाव रुकता है और जल संरक्षण में भी सहायता मिलती है। बढ़ते प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग के इस युग में, वृक्षारोपण एक प्रभावी उपाय है जो हमारे पर्यावरण को संतुलित और स्वस्थ बनाए रखने में सहायक है।

इसके बाद पत्रकार संघ के पदधारी जनसंपर्क कार्यालय पहुंचे। यहां भी सिमडेगा पत्रकार संघ के पदधारी, आदिवासी कांग्रेस नेता दिलीप तिर्की और डीपीआरओ पलटू महतो द्वारा आम, आंवला, काजू आदि के के पौधे लगाए गए। कार्यक्रम के दौरान पत्रकार संघ के अध्यक्ष आशीष शास्त्री जीवन में पौधों के महत्व बताते हुए कहा कि आज हमारे द्वारा लगाए गए यह बहुत कल हालदार वृक्ष के रूप में हमारे आने वाली पीढ़ी को ऑक्सीजन के साथ-साथ स्वादिष्ट फल भी प्रदान करेंगे।

सिमडेगा पत्रकार संघ सचिव दीपक अग्रवाल ने कहा कि आज के समय में हर व्यक्ति को वृक्षारोपण करना जरूरी हो गया है। उन्होंने कहा आज हमारे द्वारा लगाया गए पौधे कल हमारे आने वाली पीढ़ी को जीवन प्रदान करेंगे।

वृक्षारोपण के महत्व बताते हुए आदिवासी कांग्रेस नेता दिलीप तिर्की ने कहा कि ऑक्सीजन हमारे शरीर के लिए अनिवार्य है। वृक्ष इसे प्राकृतिक रूप से उत्पन्न करते हैं, जिससे हमें हमेशा पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन मिलती रहे। इसलिए वृक्षारोपण विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण है, जहां प्रदूषण का स्तर अधिक होता है। मौके पर सिमडेगा पत्रकार संघ के संरक्षक सुनील सहाय, अफजल इमाम, कोषाध्यक्ष मुकेश कुमार वर्णवाल, सह सचिव विकास साहू, मीडिया प्रभारी कुश बड़ाइक, सह मीडिया प्रभारी अमन कुमार मिश्रा, राजेश बड़ाइक, राकेश जायसवाल, अरुण कुमार सहित वन विभाग के कर्मी मौजूद रहे।

सिमडेगा के प्रखंडों में किया गया वृक्षारोपण

सिमडेगाः सिमडेगा के प्रखंडों में सिमडेगा पत्रकार संघ के द्वारा आज विश्व आम दिवस पर वृक्षारोपण किए गए।

कुरडेग, जलडेगा, ठेठईटांगर, कोलेबिरा, बानो, केरसई और बोलबा प्रखंड में सिमडेगा पत्रकार संघ के पदधारी और सदस्यों के द्वारा प्रखंड कार्यालय और थाना परिसर में वृक्षारोपण किया गया।